RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 कशिका कपूर की शालीनता...

वर्ष : 27 अंक : 310 website:www.chetnamanch.com नोएडा, बुधवार, 29 अक्टूबर, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राफेल में भरी उड़ान

अंबाला (एजेंसी)। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक बार फिर लड़ाकू विमान में उड़ान भरी है। देश की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को हरियाणा के अंबाला एयरफोर्स स्टेशन से लड़ाकू विमान राफेल में पहली बार उड़ान भरी। इस विमान में वह करीब बीस मिनट तक रहीं। राष्ट्रपति जिस विमान में सवार थीं, उसे ग्रुप कैप्टन अमित गेहानी चला रहे थे। इससे पहले उन्हें अंबाला एयरफोर्स स्टेशन पर वायुसेना के जवानों द्वार गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया था।

भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह भी एक अन्य विमान में उनके विमान के साथ उड़ान भर रहे थे। ग्रुप कैप्टन अमित गेहानी राष्ट्रपति को ले जाने वाले विमान के पायलट हैं। वह भारतीय वायु सेना की नंबर 17 स्क्वाड्रन, 'गोल्डन एरो' के कमांडिंग ऑफिसर (सीओ) भी हैं।

उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने बताया कि राष्ट्रपति दिल्ली से हवाई मार्ग के माध्यम से एयरफोर्स स्टेशन अंबाला छावनी पहुंचीं। सुरक्षा के लिहाज से एयरफोर्स स्टेशन के आसपास के इलाके में ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी लगाई गई है। एयरफोर्स स्टेशन के अंदर किसी को भी मोबाइल ले जाने की परमिशन नहीं है। केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही एयरफोर्स स्टेशन में प्रवेश दिया गया है।

उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों के लिए खुशखबरी

योगी सरकार ने 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाया मूल्य

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों के लिए एक अच्छी खबर है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने गन्ना किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्णय के अनुसार, अब अगैती प्रजाति के गन्ने का मूल्य 400 प्रति क्विंटल होगा, जबकि सामान्य प्रजाति के लिए यह दर 390 प्रति क्विंटल तय की गई है। सरकार ने गन्ने के मूल्य में 30 प्रति क्विंटल तक की बढ़ोतरी की है। इस फैसले से राज्य के गन्ना किसानों को लगभग 3000 करोड़ का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। योगी सरकार का यह निर्णय किसानों के लिए एक बड़ा उपहार है, जिससे उनकी आय में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी।

यूपी सरकार के गन्ना मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने बताया कि योगी सरकार ने 2017 से अब तक चार बार गन्ना मूल्य बढ़ाया है, जिसके फलस्वरूप पिछले साढ़े आठ वर्षों में गन्ना किसानों को 2,90,225 करोड़ का रिकॉर्ड भुगतान हुआ है। यह पिछली सरकारों के 10 वर्षों के भुगतान से 1,42,879 करोड़ अधिक है।

उन्होंने बताया कि सरकार के प्रबंधन से 4 नई चीनी मिलें स्थापित हुई हैं और 6 बंद मिलें पुन: शुरू हुई हैं, जिससे चीनी उद्योग में 12,000 करोड़ का निवेश आया है। 'स्मार्ट गन्ना किसान' प्रणाली से गन्ना पर्ची ऑनलाइन होने के कारण बिचौलियों का राज खत्म हो गया है और भुगतान सीधे डीबीटी से हो रहा है. एथेनॉल उत्पादन और गन्ना क्षेत्रफल में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है।

46 लाख किसानों को होगा फायदा

यूपी सरकार के गन्ना मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि प्रदेश में गन्ने के मूल्य में ऐतिहासिक वृद्धि की गई है। प्रदेश में गन्ने का मूल्य महाराष्ट्र और कर्नाटक से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से किसानों को 3 हजार करोड़ रुपये का लाभ मिलेगा। इस निर्णय से प्रदेश के 46 लाख किसान लाभांवित होंगे।

अमिताभ बच्चन के पैर छूने पर दिलजीत को धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस (SFJ) ने पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के 1 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया में होने वाले कॉन्सर्ट को बंद करवाने की धमकी दी है। इस दिन को अकाल तख्त साहिब ने 'सिख नरसंहार स्मरण दिवस' घोषित किया है। यह कार्रवाई दिलजीत दोसांझ के अमिताभ बच्चन के पैर छूने के बाद की गई है। अमिताभ के गेम शो 'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन-17 में दिलजीत दोसांझ ने शिरकत की थी। शो के प्रोमो में उन्हें बच्चन के पैर छूते और उन्हें गले लगाते देखा गया। ये एपिसोड 31 अक्टूबर को टीवी पर आएगा।

आतंकी संगठन के मुताबिक, अमिताभ बच्चन वो बॉलीवुड एक्टर हैं, जिन्होंने 31 अक्टूबर 1984 को 'खून का बदला खून के नारे के साथ हिंदुस्तानी भीड़ को उकसाया था, जिसके बाद हिंसक दस्तों ने नरसंहार किया। इसमें भारतभर में (शेष पृष्ठ-3 पर)

ट्रंप ने पीएम मोदी को बताया मजबूत आदमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। दक्षिण कोरिया के बसान में APEC CEO समिट को संबोधित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'नाइसेस्ट लुकिंग गाइ' बताया और कहा कि वह ऐसे लगते हैं, जैसे आप अपने पिता को चाहते हो. ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान युद्ध का जिक्र कर फिर से पुराना सीजफायर वाला राग भी अलापा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पीएम मोदी (शेष पृष्ठ-3 पर)

सेक्टर-82 में आवारा कुत्ते ने काटा

आरडब्ल्यूए ने प्राधिकरण से की कुत्तों को पकड़ने की मांग

नोएडा (चेतना मंच)। आज सुबह सेक्टर-82 में एक आवारा कुत्ते ने एक युवक पर हमला करके उन्हें काट लिया। सेक्टर-82 के पॉकेट-7 ईडब्ल्यूए आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने यह जानकारी दी है। श्री दुबे ने बताया कि आज सुबह ही 31/2 में रहने वाले अनूप शर्मा कूड़ा गाड़ी आने पर कूड़ा डालने के लिए निकले। इतने में कुत्ते ने उन्हें काट लिया। एक सप्ताह पहले भी 14/7 में रहने वाले एक बच्चे को भी कुत्ते ने काट लिया था। इससे पहले भी इस तरह की तमाम घटनाएं हो चुकी हैं। श्री दुबे ने नोएडा प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग के शीर्ष अफसरों से मांग की है कि ऐसे हिंसक कुत्तों को तुरंत पकड़कर डॉग शेल्टर में रखा जाए।

नोएडा प्राधिकरण के बाहर किसानों के प्रदर्शन के मद्देनजर भारी संख्या में तैनात पुलिसकर्मी। पुलिस ने चारों ओर प्राधिकरण के गेट बंद कर अभेध किले में तब्दील कर दिया।

थप्पड़ का बदला लेने के लिए युवक पर टूट पड़े दबंग, लाठी-डंडों से हमला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थप्पड़ का बदला लेने के लिए कार सवार युवकों ने एक युवक पर जानलेवा हमला बोला और लाठी डंडों से मारपीट की। थाना बीटा- दो क्षेत्र में मंगलवार को दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई थी। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना की एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक थाना बीटा-2 में पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि विनीत, राजेंद्र आदि आधा दर्जन लोगों ने उसके साथ थाना क्षेत्र के चाई-4 सेक्टर में एक सोसाइटी के पास मारपीट की। उसकी कार का शीशा तोड़ दिया। पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने दो आरोपी विनीत और राजेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। पूछताछ के दौरान (शेष पृष्ठ-3 पर)

ऑटो सवारियों से टप्पेबाजी करने वाले बदमाश मुठभेड़ में घायल

गाजियाबाद (ब्यूरो)। दिल्ली-एनसीआर में ऑटो में सवारियों को बैठाकर उन्हें पुलिस व कोरोना टीम की चैकिंग का डर दिखाकर टप्पेबाजी करने वाले गिरोह के तीन बदमाशों को गाजियाबाद की थाना कोतवाली नगर पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। इस गिरोह में शामिल बदमाश टप्पेबाजी कर चुराए गए सामान व आभूषण को बेचकर अपने शौक पूर करते थे।

सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली नगर रितेश त्रिपाठी ने बताया कि थाना पुलिस विजयनगर कट नया बस अड्डा के पास चैकिंग कर रही थी तभी एक ऑटो में सवार तीन लोगों को रोकने का प्रयास किया गया। ऑटो को मोड़कर संदिग्ध लोग डिवाइडर कट से मोड़कर कच्चा मार्ग फ्लाईओवर की ओर जाने लगे। पुलिस टीम ने इनका पीछा किया। पुलिस से घिर जाने के बाद बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्यवाही में तीन बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने मौके से घायलावस्था में राशिद उर्फ मुन्ना, परवेश पुत्र नियाज मोहम्मद व सादाब उर्फ मुस्तकीम निवासी लोनी गाजियाबाद को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से अवैध हथियार, जिंदा कारतूस, टप्पेबाजी कर चुराए गए कुंडल को बेचकर मिले रूपये तथा एक ऑटो बरामद हुआ है।

जनवरी तक पूरा हो जाएगा ग्रेटर नोएडा पर बस रूट का निर्माण

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट को जोड़ने वाली 130 मीटर चौड़ी सड़क पर बस-वे का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। अधिकारियों का कहना है कि अगले साल जनवरी तक दोनों तरफ बस-वे का काम पूरा कर लिया जाएगा। अब तक लगभग 15 किलोमीटर हिस्से में निर्माण पूरा हो चुका है। इसके तैयार होने के बाद यह सड़क 12 लेन की हो जाएगी, जिससे लोगों को जाम की समस्या से राहत मिलेगी और सफर और भी सुगम होगा।

ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, 130 मीटर चौड़ी सड़क पर लगभग 27 किलोमीटर हिस्से में बस-वे का काम चल रहा है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मूर्ति से रोजा गोलचक्कर, रोजा से मिलक गोलचक्कर और मिलक से सैनी गोलचक्कर तक नोएडा की दिशा में निर्माण कार्य जारी है। वहीं, सुपरटेक जार सोसाइटी के पास से डाढ़ा तक और प्राधिकरण कार्यालय के समीप 105 मीटर सड़क वाले गोलचक्कर से सेक्टर पाई गोलचक्कर तक दोनों ओर बस-वे का निर्माण चल रहा है।

वरिष्ठ प्रबंधक नरोत्तम सिंह ने कहा कि परियोजना के पहले चरण में जरूरत वाले स्थानों पर 130 मीटर चौड़ी सड़क के दोनों तरफ 10.5 मीटर चौड़ाई बढ़ाई जा रही है। इस कार्य को जनवरी 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। प्राधिकरण ने कार्यदायी संस्थाओं को समय पर निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए हैं। पहले चरण के पूरा होने के बाद शेष हिस्से की योजना तैयार की जाएगी।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा शुरू होने के बाद दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न शहरों से ई-बसों का संचालन किया जाएगा। गाजियाबाद और मेरठ की ओर से आने वाली बसें 130 मीटर (शेष पृष्ठ-3 पर)

दिल्ली में रोकी गई क्लाउड सीडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए किए जा रहे क्लाउड सीडिंग को फिलहाल रोक दिया गया है। आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों ने बताया कि फिलहाल बादलों में पर्याप्त नमी नहीं है, जिसके कारण वर्षा की संभावना नहीं बन सकी। यह प्रक्रिया अनुकूल वातावरण पर अधिक निर्भर है। मंगलवार को कुछ स्थानों पर क्लाउड सीडिंग की गई थी। जिसके कुछ खास नतीजे सामने नहीं आए हैं। आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों ने बताया कि क्लाउड सीडिंग की प्रक्रिया पूरी तरह मौसम की स्थितियों और नमी के स्तर पर निर्भर करती है। मंगलवार को भी जब इसका ट्रॉयल किया गया था, तब बादलों में केवल 15 से 20 प्रतिशत तक ही नमी पाई गई थी, जो कृत्रिम वर्षा के लिए पर्याप्त नहीं थी।

आवारा कुत्तों के मामले में

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में प्राधिकरण गंभीर : महेन्द्र प्रसाद

- सेक्टर-94 में 1 हजार कुत्तों का शेल्टर शुरू
- दो अन्य स्थानों पर 2 हजार कुत्तों के शेल्टर प्रस्तावित
- 1500 स्थानों पर डॉग फीडिंग प्वाइंट बनेंगे
- 1 टोल फ्री नम्बर जालू, दूसरा शीघ्र होगा जारी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने आवारा कुत्तों के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 22 अगस्त को पारित आदेश पर गंभीरता से अनुपालन शुरू कर दिया है। यह जानकारी प्राधिकरण के विशेष कार्यधिकारी (ओएसडी) महेन्द्र प्रसाद ने दी है।

ओएसडी महेन्द्र प्रसाद ने बताया कि सेक्टर-94 में एक हजार आवारा कुत्तों के रखने के लिए शेल्टर बनाया गया है। जहां पर रैबीज से प्रभावित कुत्तों के अलावा

हिंसक कुत्तों को भी रखा गया है। यहां पर 1 हजार कुत्तों को रखने की व्यवस्था है। यहां पर कुत्तों के इलाज के लिए चिकित्सक व नसबंदी करने वालों की टीम मौजूद रहती है। रोजाना इस डॉग शेल्टर में 50 कुत्तों की नसबंदी की जाती है।

उन्होंने बताया कि प्राधिकरण द्वारा दो अन्य स्थानों पर डॉग शेल्टर बनाये जा रहे हैं। जहां पर 1000-1000 आवारा व घायल तथा बीमार कुत्तों को रखने की व्यवस्था प्रस्तावित है। यहां पर भी इलाज के लिए चिकित्सक तथा नसबंदीकरण के लिए टीम मुस्तैद रहेगी। श्री प्रसाद ने बताया कि इसके अलावा 2 एनजीओ के जरिए पूरे शहर में कुत्तों की नसबंदी व टीकाकरण किया जा रहा है। वहीं आरडब्ल्यूए तथा अन्य संगठनों के सहयोग से नोएडा में 1500 फीडिंग प्वाइंट बनाये जा रहे हैं। आवारा कुत्तों के इलाज व पकड़ने के लिए एक टोल फ्री नंबर जारी किया गया है। इसके अलावा आवारा कुत्तों से संबंधित जानकारी देने के लिए शीघ्र ही 24X7 टोल फ्री नम्बर प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अनुपालन गंभीरता के साथ किया जा रहा है।

सपनों की त्रासदी

मानवीयता की हद पार करती अमेरिका इमिग्रेशन एंड कस्टम इन्फोर्समेंट एजेंसी के संवेदनहीन तौर-तरीकों का त्रास झेलते 54 हरियाणवी युवा शनिवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरे। सुनहरे सपनों की आस लिए अमेरिका गए इन युवाओं ने जिन त्रासदियों का सामना किया, वो उन युवाओं के लिये सबक भी है, जो अपनी योग्यता व क्षमता का मूल्यांकन किए बिना बस विदेश जाने की धुन में लगे रहते हैं। निस्संदेह, इन युवाओं ने बेहतर भविष्य के लिये रिस्क लेने का जज्बा तो दिखाया, लेकिन एजेंटों के छलावे के चलते डंकी रूट पर फिसल गए। इन युवाओं को इस बात का भान नहीं रहा कि घोर दक्षिणपंथी रुझान वाले ट्रंप के शासन में प्रवासियों के साथ कैसी क्रूरता व भेदभाव किया जा रहा है। जिसके चलते उनके साथ अमेरिका में अपराधियों जैसा सुलूक किया है। उन्हें जेल और अपराधियों के लिये बने कैंपों में रखा गया। युवाओं ने आरोप लगाया कि जेलों में गर्मी में हीटर और सर्दी में एसी चलाकर रखा जाता था। शाकाहारियों को मांस दिया जाता था और न खाने पर सिर्फ सूखी रोटी। खेत बेचकर-कर्ज लेकर उज्ज्वल भविष्य के लिये अमेरिका गए युवा अपराधियों की तरह स्वदेश लौटे। समाचार माध्यमों में प्रकाशित चित्रों में इन हताश युवाओं को अपराधबोध से ग्रसित देखा गया। विडंबना देखिए कि कई युवा अपना खेत बेचकर और चालीस-पचास लाख एजेंट को देकर विदेश गए, लेकिन डंकी रूट में धकेल दिए गए। उस खतरनाक रास्ते पर जहां हर पल मौत का खतरा बना रहता है। परिवार वालों को इस बात का सुकून जरूर होगा कि कम से कम उनके बच्चे सकुशल तो घर लौट आए है। वो बात अलग है कि इन युवाओं को अपने असफल प्रयास का मलाल जीवनपर्यंत सालता रहेगा। कुछ युवा इससे अवसादग्रस्त हो सकते हैं। कुछ हताश युवा भटकाव की राह में गुजर सकते हैं। निश्चय ही यह घटनाक्रम इन युवाओं के लिये एक त्रासदी से कम नहीं रहेगा। सुखमय जीवन की आस ने नारकीय जीवन जीने को मजबूर कर दिया। वे बेड़ियों में देश लौटे। बहरहाल, इन युवाओं की अपमानजनक वापसी कई ज्वलंत सवालों को भी जन्म देती है। यह हमारी नीति-नियंताओं की विफलता ही है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार काम नहीं दे पा रहे हैं। हम कहते नहीं थकते कि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। सवाल यह है कि इस युवा शक्ति को दिशा देने के लिये हमने क्या किया? तमाम प्रलोभन व लोकलुभावने वादे करने वाले राजनीतिक दलों की प्राथमिकता युवाओं को रोजगार देना क्यों नहीं होती? सिर्फ चुनाव आने पर करोड़ों रोजगार देने के वादे तो किए जाते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बावजूद वे पूरे नहीं होते। दोष हमारी शिक्षा व्यवस्था का भी है जो डिग्री तो देती है, लेकिन रोजगार की गारंटी नहीं देती। दोष हमारी युवा पीढ़ी की उस मानसिकता का भी है जो सिर्फ नौकरी और उसमें भी सरकारी नौकरी को प्राथमिकता देती है। निजी क्षेत्र भी सिर्फ मुनाफे को प्राथमिकता देता है और तकनीक के जरिये रोजगार के अवसरों में कटौती को प्राथमिकता देता है। ऐसे देश में, जहां आबादी आज दुनिया में सबसे ज्यादा है, हमें श्रम प्रधान उद्योगों को प्राथमिकता देनी चाहिए। जिसमें अधिक लोगों को रोजगार मिल सके। कायदे से देश में बेरोजगारी का ग्राफ देखते आने वाले दशकों के लिये रोजगार का रोडमैप बनना चाहिए। लेकिन सत्ता भी सस्ती लोकप्रियता वाले कामों के जरिये अपना वोट बैंक सुधारने में लगी रहती है। यहां सवाल युवाओं व अभिभावकों की सोच का भी है, जो खेत बेचकर बेटे को विदेश भेजने की फिराक में रहते हैं। जितना पैसा उन्होंने विदेश भेजने वाले एजेंटों को दिया, उसमें क्या वे स्वरोजगार नहीं कर सकते थे? माना कि आज खेती-किसानी युवाओं को नहीं लुभाती, लेकिन वे इस खेत पर गैर परंपरागत खेती व फल-फूल आदि नकदी फसलों के विकल्प तो तलाश सकते हैं। सवाल हमारी प्रवर्तन एजेंसियों पर है कि क्यों युवाओं को विदेश भेजने वाले एजेंटों पर कार्रवाई नहीं करती, जो लाखों रुपये लूटकर इन्हें नर्क में धकेल देते हैं। वापस आए इन युवाओं के जरिये उन तक पहुंचा जा सकता है।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि जिसमें तुम्हारा मन अनुरक्त हो गया है, वही स्वभाव से ही सुंदर साँवला वर (श्री रामचन्द्रजी) तुमको मिलेगा। वह दया का खजाना और सुजान (सर्वज्ञ) है, तुम्हारे शील और स्नेह को जानता है। इस प्रकार श्री गौरीजी का आशीर्वाद सुनकर जानकीजी समेत सब सखियाँ हृदय में हर्षित हुईं। तुलसीदासजी कहते हैं- भवानीजी को बार-बार पूजकर सीताजी प्रसन्न मन से राजमहल को लौट चलीं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जानि गौरि अनुकूल सिय हिय हरषु न जाइ कहि।
मंजुल मंगल मूल बाम अंग फरकन लगे॥

गौरीजी को अनुकूल जानकर सीताजी के हृदय को जो हर्ष हुआ, वह कहा नहीं जा सकता। सुंदर मंगलों के मूल उनके बाएँ अंग फड़कने लगे॥

हृदयँ सराहत सीय लोनाई। गुर समीप गवने दोउ भाई॥
राम कहा सबु कौसिक पाहीं। सरल सुभाउ छुअत छल नाहीं॥

हृदय में सीताजी के सौंदर्य की सराहना करते हुए दोनों भाई गुरुजी के पास गए। श्री रामचन्द्रजी ने विश्वामित्र से सब कुछ कह दिया, क्योंकि उनका सरल स्वभाव है, छल तो उसे छूता भी नहीं है॥

सुमन पाइ मुनि पूजा कीन्ही। पुनि असीस दुहु भाइन्ह दीन्ही॥
सुफल मनोरथ होहुँ तुम्हारे। रामु लखनु सुनि भय सुखारे॥

फूल पाकर मुनि ने पूजा की। फिर दोनों भाइयों को आशीर्वाद दिया कि तुम्हारे मनोरथ सफल हों। यह सुनकर श्री राम-लक्ष्मण सुखी हुए॥

(क्रमशः..)

नया सैन्य गठजोड़ भारत के लिये चुनौती

हाल ही में पाकिस्तान समेत संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अज़रबैजान के बीच बन रहे सैन्य गठजोड़ की खबरें भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। यह घटनाक्रम न केवल दक्षिण एशिया बल्कि मध्य एशिया और खाड़ी क्षेत्र के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित कर रहा है। पाकिस्तान लगातार अपनी रक्षा और कूटनीतिक स्थिति को मज़बूत करने की दिशा में सक्रिय हुआ है और वह ऐसे देशों से निकटता बढ़ा रहा है जो भारत के रणनीतिक हितों के लिए चुनौती बन सकते हैं। भारत को इस नए उभरते गठजोड़ को केवल एक सामान्य रक्षा समझौते के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक दीर्घकालिक रणनीतिक प्रयास के रूप में समझना चाहिए, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुधारना और भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाना है। भारत की विदेश नीति और सुरक्षा के मद्देनजर इस तरह के गठबंधन बड़ी चुनौती के लिहाज देखे जाने चाहिए।

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ हालिया रक्षा समझौता इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अब अपनी सुरक्षा रणनीति को क्षेत्रीय स्तर पर फैलाने में सफल हो रहा है। यह समझौता इस सिद्धांत पर आधारित है कि अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो दोनों की संयुक्त प्रतिक्रिया होगी।

पिछले महीने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए ऐतिहासिक सैन्य समझौते, जिसके तहत एक देश पर हुआ हमला दूसरे देश पर भी माना जाएगा, की तर्ज पर ही इस सैन्य गठजोड़ का विचार सामने लाया गया है। हालांकि इन चार देशों के बीच अभी कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में इसकी घोषणा हो जाएगी। गौरतलब है कि तुर्किये, पाकिस्तान और अजरबैजान का त्रिपक्षीय गठबंधन, जिसे थ्री ब्रदर्स के नाम से जाना जाता है, एक मजबूत सैन्य साझेदारी का रूप ले चुका इसके अतिरिक्त, इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेररिज्म कोएलिशन (आईएमसीटीसी) भी है, जिसका संस्थापक सऊदी अरब है और जिसमें चालीस से अधिक सदस्य देश शामिल हैं। इन देशों के बीच सैन्य अभ्यास, हथियार सौदे और कश्मीर जैसे मुद्दों पर इनका स्वाभाविक सामूहिक रुख भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। इससे पाकिस्तान अपनी कुचालों का जायज ठहराने एवं अपनी रक्षा की गुहार लगाते हुए भारत पर दबाव बनाना चाहता है। नहीं भूलना चाहिए कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, तब ज्यादातर मुस्लिम देशों ने तटस्थ रुख अपनाया था, लेकिन तुर्किये और अजरबैजान दो ऐसे मुल्क थे, जो पूरी तरह से पाकिस्तान के समर्थन में खड़े थे। दरअसल, तुर्किये के राष्ट्रपति तैयब अर्दोआन की इस्लामिक दुनिया के मॉडर्न खलीफा बनने की सनक का पाकिस्तान समर्थन करता है, इसी वजह से तुर्किये ने संयुक्त राष्ट्र में भी कश्मीर पर पाकिस्तान के रुख का खुला समर्थन किया है।

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ हालिया रक्षा समझौता इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अब अपनी सुरक्षा रणनीति को क्षेत्रीय स्तर पर फैलाने में सफल हो रहा है। यह समझौता इस सिद्धांत पर आधारित है कि अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो दोनों की संयुक्त प्रतिक्रिया होगी। यह बात भारत के लिए सीधे तौर पर खतरे की घंटी है क्योंकि इससे पाकिस्तान को रक्षा सहायता, प्रशिक्षण, संसाधन और राजनीतिक समर्थन प्राप्त हो सकता है। इसी तरह पाकिस्तान अज़रबैजान, यूएई और कतर जैसे देशों के साथ भी अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है। इन देशों के साथ पाकिस्तान का यह बढ़ता सामरिक सहयोग उसके लिए आर्थिक और तकनीकी लाभ भी लेकर आ सकता है, जिससे भारत के लिए क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना कठिन हो सकता है। भारत को इन परिस्थितियों में अपनी विदेश नीति को अधिक सशक्त और लचीला बनाना होगा। अब वह समय बीत चुका है जब भारत केवल पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता और सीमित क्षेत्रीय चिंताओं के आधार पर नीति बनाता था। आज की दुनिया में भू-राजनीति बहुस्तरीय हो चुकी है, जहां आर्थिक संबंध, तकनीकी साझेदारी और रक्षा सहयोग एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। भारत को चाहिए कि वह अपने खाड़ी देशों से संबंधों को और सुदृढ़ करे। यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ भारत के आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध पहले से ही मजबूत हैं, पर उन्हें रक्षा सहयोग के स्तर पर भी विस्तारित करने की जरूरत है। भारत यदि इन देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाता है तो पाकिस्तान को क्षेत्रीय स्तर पर अलग-थलग करने में मदद मिल सकती है।

साथ ही भारत को यह भी समझना होगा कि पाकिस्तान केवल सैन्य ताकत पर नहीं, बल्कि कूटनीतिक चालों और मीडिया नैरेटिव के माध्यम से भी अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में भारत को न केवल रक्षा मोर्चे पर बल्कि कूटनीतिक और सूचनात्मक मोर्चे पर भी सक्रिय रहना होगा। भारत की नीति प्रतिक्रियात्मक न होकर सक्रिय, दूरगामी और अग्रदर्शी होनी चाहिए। भारत को यह दिखाना होगा कि वह केवल अपनी सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक शांति का भी एक भरोसेमंद संरक्षक है। भारत ही दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम छेड़े हुए है। भारत के लिए यह भी जरूरी है कि वह अपने मित्र देशों के साथ सामूहिक सुरक्षा दृष्टिकोण विकसित करे। जिस तरह अमेरिका और यूरोपीय संघ सामूहिक रक्षा नीति पर चलते हैं, उसी तरह भारत को भी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र, एसोसिएशन ऑफ साउथइस्ट ऐशियन नेशनस् -देशों और मध्य पूर्व में सहयोगी नेटवर्क को सुदृढ़ करना चाहिए। यह केवल सैन्य दृष्टि से नहीं बल्कि कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति को मजबूत करेगा।

पाकिस्तान की नई विदेश नीति की दिशा साफ है- वह भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, चाहे वह चीन के साथ सीपेक परियोजना के माध्यम से हो या अब मध्य-पूर्व के देशों के साथ रक्षा सहयोग के जरिए। भारत को इस घेराबंदी को तोड़ने के लिए तीन दिशा में एक साथ काम करना होगा-अपनी रक्षा क्षमता को आधुनिक बनाना, विदेश नीति में सक्रियता लाना, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सकारात्मक छवि को और प्रखर बनाना। यह स्थिति भारत के लिए केवल एक चुनौती नहीं बल्कि अपनी सामरिक दूरदर्शिता को सिद्ध करने का अवसर भी है। भारत यदि समय रहते अपने पड़ोस में बढ़ते इस सैन्य गठजोड़ की गंभीरता को समझ लेता है और सक्रिय कदम उठाता है, तो वह न केवल पाकिस्तान की कूटनीतिक चालों को निष्प्रभावी बना सकता है, बल्कि दक्षिण एशिया को स्थिरता और सहयोग के नए मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकता है।

इन चार राष्ट्रों का सैन्य गठबंधन भारत के लिए एक चेतावनी है कि भू-राजनीति में देशों के बीच धार्मिक एकजुटता नए रूप में सामने आ रही है, ऐसे में क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा बनी रहे, इसके लिए भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करते हुए कूटनीतिक मोर्चे पर भी सक्रिय बने रहना होगा। भारत पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान, तुर्की और अजरबैजान को काउंटर करने के लिए अलग-अलग रणनीतियों पर काम कर रहा है। इनमें इन तीनों देशों के दुश्मनों की मदद से लेकर इन्हें आर्थिक तरीके से चोट पहुंचाना भी शामिल है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कदमों से हर कोई परिचित है। अब बात करते हैं तुर्की की। भारत ने तुर्की को काउंटर करने के लिए उसके सबसे बड़े दुश्मन ग्रीस के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत किया है। इसके अलावा भारत ने साइप्रस के मुद्दे को भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाना शुरू किया है, जिसकी जमीन पर तुर्की ने अवैध रूप पर कब्जा जमाया हुआ है। वहीं, भारत ने तुर्की को अपने बाजार में प्रवेश को लेकर भी सख्तियां बरती है।

इस सैन्य गठजोड़ के हकीकत बनने की सूरत में भारत के लिए जरूरी होगा कि वह आर्मेनिया, ग्रीस और साइप्रस के साथ अपने संबंध मजबूत करे और यूएई के साथ भी द्विपक्षीय रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाए, जो भारत का बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है और आम तौर पर इस्लामिक मुद्दों पर तटस्थ रुख रखता है।आज भारत को यह मानना होगा कि 'सुरक्षा' अब केवल हथियारों का मामला नहीं है, यह अर्थव्यवस्था, कूटनीति, और तकनीक का समन्वित प्रश्न बन चुका है। पाकिस्तान की नई चालें एवं कुचालें हमें केवल सतर्क रहने की नहीं, बल्कि सजग, सक्रिय और रणनीतिक रूप से एक कदम आगे रहने की प्रेरणा देती हैं। भारत यदि अपनी नीति में इस नए दृष्टिकोण को शामिल करता है, तो यह गठजोड़ उसके लिए खतरा नहीं बल्कि आत्मसुधार और आत्मसशक्तिकरण का अवसर साबित हो सकता है।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

मानवता, शाकाहार और उपभोग में संयम

मानवता की उत्पत्ति के शुरुआत से ही मांसाहार और शाकाहार दोनों ही मानव की खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति करते रहे हैं। शायद उस वक्त शाकाहार और मांसाहार के बीच में अंतर नहीं होता था, लेकिन बाद में मानव ने मांसाहार और शाकाहार में अंतर करना प्रारंभ किया और आज यह स्थिति है कि प्यू रिसर्च सर्वेक्षण (2021) के सर्वेक्षण के अनुसार भारत में लगभग 39 प्रतिशत भारतीय किसी न किसी प्रकार से मांस के उपयोग से परहेज करते हैं। 39 प्रतिशत लोगों ने इस सर्वेक्षण में स्वयं को शाकाहारी ही कहा है। अधिकांश भारतीय कभी-कभार ही मांस का उपभोग करते हैं। यही कारण है कि भारत में प्रति व्यक्ति मांस का उपभोग 3.1 किलोग्राम प्रतिवर्ष है, जबकि अमरीका में यह 109 किलोग्राम, यूरोप में 84 किलोग्राम और सकल विश्व में यह 44.5 किलोग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिवर्ष है। देखा जाए तो भारतीय मांसाहारी होने पर भी धार्मिक आस्थाओं के आधार पर भी कुछ प्रकार के मांस का सेवन नहीं करते। उदाहरण के लिए हिंदू और सिख गाय के मांस से, मुस्लिम पोर्क के मांस से परहेज रखते हैं।

भारत की तुलना में शेष विश्व में शाकाहार का चलन कम है। दुनिया के औसतन 3 से 5 प्रतिशत लोग ही शाकाहारी हैं। अकेले भारत में ही दुनिया के 70 प्रतिशत शाकाहारी रहते हैं। कई बार कुछ लोग आधुनिकीकरण को मांसाहार से जोडक़र देखने लगे हैं। लेकिन हमें समझना होगा कि आधुनिक और समझदारी का विचार मांसाहार में नहीं, बल्कि शाकाहार में है। पिछले कुछ समय से शाकाहार में भी एक अलग प्रकार का चलन बढ़ रहा है, जिसे वेगन अभियान के नाम से जाना जाता है। इसमें मांस के अतिरिक्त अन्य पशु उत्पाद जैसे दूध और दुग्ध उत्पादों के उपयोग से भी परहेज करने की सलाह दी जाती है। उनका कहना है कि दूध के उत्पादन के लिए पशुओं पर अत्याचार होता है। ऐसा माना जाता है कि विश्व में एक से दो प्रतिशत लोग 'वेगन' आहार अपना चुके हैं। हालांकि वेगनवाद का खासा विरोध भी हो रहा है कि इस दूध जो शाकाहारी माना जाता है, यदि उसके सेवन से बचा जाएगा, तो इस कारण से पशु पालन जैसे रोजगार के अवसरों पर चोट होने का खतरा उत्पन्न हो सकता है। समझना होगा कि भारत में दूध का उत्पादन और दुग्ध उत्पादों का सेवन हमारी संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है।

आज विश्व पर्यावरण असंतुलन, मौसम परिवर्तन और वैश्विक उष्णता यानी ग्लोबल वार्मिंग के भयंकर संकट से गुजर रहा है। औद्योगिकीकरण से पूर्व की तुलना में दुनिया का तापमान लगभग 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ चुका है। तब से लेकर अब तक दुनिया की आबादी लगभग 5 गुणा तक बढ़ चुकी है। इस दौरान दुनिया में उपभोग में तो उससे भी ज्यादा वृद्धि हुई है। वैश्विक उष्णता बढ़ाने में औद्योगिकरण का योगदान तो है ही, लेकिन साथ ही साथ इसके लिए जिम्मेदार ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन इतनी बड़ी जनसंख्या के उपभोग के लिए आवश्यक खाद्य सामग्री और अन्य प्रकार के उत्पादनों के कारण भी हो रहा है। जीडीपी बढऩे के साथ-साथ लोगों की आमदनी भी बढ़ी है, और उसके साथ ही साथ उपभोक्ता वस्तुओं पर फिजूलखर्ची के साथ-साथ खाद्य सामग्री की बर्बादी भी बढ़ी है। पूर्व में जहां उपभोक्ता वस्तुओं का जीवन लंबा होता था, वर्तमान युग में यूज एंड थ्रो यानी इस्तेमाल करो और फेंक दो, की आदत के कारण दुनिया में न केवल कचरा बढ़ा है, बल्कि जरूरत से ज्यादा उत्पादन के कारण ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन भी ज्यादा हुआ है। समझा जा सकता है कि इस वजह से संयमित उपभोग की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। पूरी दुनिया में 71 प्रतिशत क्षेत्र में पानी है और मात्र 29 प्रतिशत ही भूमि है। और इस 29 प्रतिशत में सिर्फ 20 प्रतिशत ही रहने योग्य है, 10 प्रतिशत पर कृषि होती है और इस कृषि योग्य भूमि में सिर्फ 2.4 प्रतिशत पर ही फसलों की खेती होती है और 8 प्रतिशत भूमि पर पशुपालन के लिए जरूरी खेती होती है। इस 2.4 प्रतिशत भूमि पर होने वाली खेती से मनुष्यों की 83 प्रतिशत कैलोरी आवश्यकता पूर्ण होती है और पशुपालन के लिए जहां 8 प्रतिशत भूमि का इस्तेमाल हो रहा है, उससे मात्र 17 प्रतिशत कैलोरी आवश्यकता की पूर्ति होती है। 63 प्रतिशत प्रोटीन की आवश्यकता भी इसी 2.4 प्रतिशत भूमि होती है, जबकि 37 प्रतिशत प्रोटीन ही पशुपालन से उत्पन्न उत्पादों से मिलता है। भारत के पास दुनिया की सिर्फ 2 प्रतिशत ही भूमि है। जबकि हमारी जनसंख्या दुनिया की 18 प्रतिशत है। दुनिया के 30 प्रतिशत पशु और 8 प्रतिशत जैव संसाधन भारत में पाए जाते हैं। इतनी बड़ी जनसंख्या के लिए खाद्य उत्पादन करने के साथ-साथ भारत अपने जैव संसाधनों का संरक्षण करने में भी सफल रहा है। इसका कारण यह है कि भारत में अधिकांश लोग शाकाहारी हैं और जो मांस का उपभोग भी करते हैं, उनमें से भी अधिकांश कभी कभार ही मांस का सेवन करते हैं। भारत में होने वाला पशुपालन, दुनिया की मांसाहारी जनसंख्या की आवश्यकता की पूर्ति करता है। गौरतलब है कि भारत से प्रतिवर्ष 1.3 करोड़ मीट्रिक टन भैंस के मांस का निर्यात प्रतिवर्ष होता है। भारत की शाकाहारी आदतें दुनिया में खाद्य पदार्थों की कमी नहीं होने देती। यदि देखें तो विश्व की आबादी में शाकाहारी लोगों में से कुल 70 प्रतिशत अकेले भारत में ही रहते हैं। दुनिया में कुल ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन में मांसाहार के लिए जरूरी पशुपालन से होने वाला उत्सर्जन 15 प्रतिशत है। एक किलो मांस के लिए उत्पादन के लिए उसके बराबर अनाज, दालों या सब्जी के उत्पादन की तुलना में 20 से 30 गुणा ज्यादा ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन होता है।

-डा. अश्वनी महाजन
पूर्व कालेज प्रोफेसर

राशिफल

कार्तिक माह, शुक्ल पक्ष, अष्टमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। राजनीतिक लाभ होगा। पिता का साथ होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। परिस्थितियां अनुकूल हैं। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार अच्छा रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
बचकर पार करें। कोई रिस्क न लें। परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी है। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात संभव है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
परेशानी बनी रहेगी। स्वास्थ्य के प्रति, काम के प्रति लेकिन जीत आपकी होगी। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भावुकता में आकर कोई फैसला न लें। लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। अभी महत्वपूर्ण निर्णय रोक दें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
गृहकलह के संकेत हैं। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी के प्रबल योग हैं। स्वास्थ्य अच्छा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य ठीक ठाक।

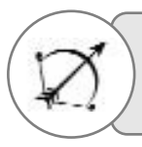

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। धन हानि के संकेत हैं इसलिए निवेश मत करिएगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। समाज में सराहना होगी। जरूरत के हिसाब से वस्तुएं जीवन में उपलब्ध होंगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
मन परेशान रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। सिरदर्द, नेत्रपीड़ा हो सकती है। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
आय के नए सोर्स बनेंगे और पुराने सोर्स से भी पैसे आएंगे। स्वास्थ्य में सुधार, प्रेम-संतान का साथ, व्यापार बहुत अच्छा है

छठ महापर्व के अंतिम दिन सेक्टर-75 में छठ मैय्या की पूजा-अर्चना करते अमरेश श्रीवास्तव एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती बबिता श्रीवास्तव।

धूमधाम से संपन्न हुआ छठ महोत्सव

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-115 स्थित सोरखा पुस्तापार कॉलोनी के उदय उपवन पार्ट-3 पार्क में राष्ट्रीय शहरी ग्रामीण विकास समिति के तत्वावधान में छठ महोत्सव का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया।

कार्यक्रम में पहुंचे सीटू जिला सचिव एवं समिति के संयोजक गंगेश्वर दत्त शर्मा का समिति पदाधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मान किया। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को छठ पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व लोक आस्था और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है, जो समाज में सुख, शांति और समृद्धि का संदेश देता है।

समिति के पदाधिकारी हरगोविंद सिंह, धर्मवीर सोलंकी, हरीलाल पाल (गोपी), किरण देवी, शंकर, राहुल राठौर, भूषण सिंह और राजीव मिश्रा ने बताया कि कार्यकर्ताओं ने घाटों की सफाई, जल एवं प्रकाश व्यवस्था की जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाई। इसके चलते छठ व्रतियों ने बिना किसी परेशानी के उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रत पूरा किया।

करणी सेना की बैठक, 21 दिसंबर को होगा 'विशाल परिवार मिलन समारोह'

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर अल्फा-1 स्थित कार्यालय पर श्री राजपूत करणी सेना की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर धीरज सिंह ने की। बैठक में क्षत्रिय समाज की वर्तमान स्थिति और संगठन को मजबूत बनाने पर गहन चर्चा हुई। सभा में मौजूद सभी सदस्यों ने समाज को और अधिक संगठित, जागरूक और सशक्त बनाने पर जोर देते हुए एकजुटता का संदेश दिया।

बैठक के दौरान अध्यक्ष ठाकुर धीरज सिंह के सुझाव पर आगामी 21 दिसंबर को ग्रेटर नोएडा में विशाल परिवार मिलन समारोह आयोजित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

प्रदेश महासचिव संतपाल शिशोदिया ने बताया कि कार्यक्रम की रूपरेखा जल्द ही तैयार कर एक भव्य और ऐतिहासिक आयोजन किया जाएगा।

बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष वीर सिंह राजावत, राजकुमार रावल, राधे भाटी (नेताजी), विजयपाल प्रधान, स्यौदान सिंह (नेता जी), संजीव भाटी (लतीफपुर), आर.बी.सिंह (छौंकर) सहित कई क्षेत्रीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बिहार की जनता ने माना, नीतिश-मोदी को फिर है लाना : उपेन्द्र तिवारी

भागलपुर (बिहार)। भागलपुर लोकसभा के प्रभारी एवं प्रवासी तथा उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री उपेंद्र तिवारी ने दावा किया है कि बिहार की जनता एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनाने का काम करेगी।

उन्होंने कहा कि बिहार की जनता आज भी जंगल राज को भुला नहीं पाई है। उन्होंने दावा किया कि 14 नवंबर को जब परिणाम आएगा तो विपक्ष की बोलती बंद हो जाएगी। कई दिनों से भागलपुर में प्रवास कर रहे पूर्व मंत्री उपेंद्र तिवारी एनडीए समर्थित प्रत्याशियों के पक्ष में धुआंधार प्रचार प्रसार कर उनके पक्ष में बेहतर माहौल करने में लगे हैं।

उपेंद्र तिवारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एवं एनडीए की डबल इंजन सरकार ने बिहार को विकास के रास्ते पर लाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर से बिहार में सरकार बनाने का काम करने जा रही है। श्री तिवारी का मानना है कि जनता, दो हजार पच्चीस, फिर से नीतिश, को मूर्त रूप देने का मन बना चुकी है। इंतजार है तो सिर्फ 14 नवंबर का।

याकूबपुर गांव में बिजली चोरी विभाग को लाखों की चपत

नोएडा (चेतना मंच)। फेस-2 स्थित याकूबपुर गांव में बिजली चोरी का रिकॉर्ड टूट रहा है। लाखों रुपए की बिजली चोरी कटिया मारकर की जा रही है, लेकिन विद्युत निगम के स्थानीय अधिकारी इस पर लगाम लगाने में पूरी तरह से असफल साबित दिखाई पड़ रहे हैं। बताया गया है कि याकूबपुर गांव में कटिया मारने वालों की भरमार है। लोग कटिया मारकर बिजली का उपयोग कर रहे हैं।

सूत्र बताते हैं कि इस पूरे मामले में स्थानीय अधिकारियों एवं एसडीओ की मिलीभगत है।

बिजली चोरी रोकने के लिए अभियान चलाया जाता है, लेकिन याकूबपुर गांव में यह अभियान नहीं चलाया गया। उत्तर प्रदेश सरकार विद्युत निगम को कंगाली से उबारने के अभियान में जुटी है, वहीं स्थानीय अधिकारी अपनी जेब भरने के लिए बिजली चोरी करवाने का काम कर रहे हैं। स्थानीय जे.ई. एवं एसडीओ मिलकर लाखों रुपए की बिजली चोरी करवा रहे हैं। पटरी लगाने वाले दुकानदार भी अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते दिखाई दे रहे हैं।

हंसराज भाटी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर जरूरतमंद दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल वितरण करते।

तुगलपुर व्यापार एसोसिएशन की हुई बैठक, पार्किंग पर जताई नाराजगी

सांसद एवं विधायक से भी करेंगे मुलाकात

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। तुगलपुर व्यापार एसोसिएशन ने कार पार्किंग को लेकर बैठक आयोजित की गई जिसमें मुख्य रूप से परी चौक पर लगने वाले जाम और अंसल प्लाजा के सामने बस की पार्किंग को लेकर व्यापारी वर्गों ने आक्रोश जताया है।

व्यापारियों का कहना है कि देश की आर्थिक व्यवस्था को मजबूत करने में सहायता प्रदान करने वाले ग्रेटर नोएडा में पार्किंग की व्यवस्था न होने से लोगों को काफी कठिनाइयों के सामना करना पड़ता है। व्यापारियों ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर क्षेत्रीय सांसद एवं स्थानीय विधायक से भी मुलाकात की जाएगी। उन्होंने कहा कि गंदगी और रोड के आसपास बने गड्ढों से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है, लेकिन कई बार मांग के बाद भी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी एवं स्थानीय जिला प्रशासन के अफसर इस समस्याओं को ध्यान नहीं देते हैं।

इस अवसर पर मुकेश कुमार गर्ग, राकेश कुमार, महेश शर्मा, अजीत पाल चौधरी, अजीत सिंह, मुकेश कुमार, राकेश कुमार, मुकुल अग्रवाल, गुड्डू, प्रेम सेठ, हरि शर्मा, ताहिर, विकास, ओमप्रकाश, कलुआ, मुनेश ठेकेदार, उचित, शुभम, दिनेश शर्मा, महेश शर्मा आदि लोग मौजूद रहे। बैठक का संचालन तुगलपुर व्यापार संगठन के कर्ताधर्ता पप्पी ने किया।

पृष्ठ एक के शेष....

अमिताभ बच्चन के...

30,000 से अधिक सिख पुरुष, महिलाएं और बच्चे मारे गए थे। SFJ के जनरल काउंसल गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कहा, 'अमिताभ बच्चन, जिनके शब्दों ने नरसंहार को उकसाया, उनके पैर छूकर दिलजीत दोसांझ ने 1984 के सिख नरसंहार के हर पीड़ित, हर विधवा और हर अनाथ का अपमान किया है। यह अज्ञानता नहीं बल्कि विश्वासघात है। जिन सिखों को जिंदा जलाया गया, जिन महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ, जिन बच्चों को काट डाला गया, उनकी राख अभी ठंडी नहीं हुई है। कोई भी सिख, जिसे अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनाई दे, 1 नवंबर, स्मरण दिवस पर प्रदर्शन या उत्सव नहीं मना सकता।

ट्रंप ने पीएम मोदी को...

को लेकर कहा कि वह बहुत कठोर हैं. वह (पीएम मोदी) बोले कि नहीं, हम लड़ेंगे. मैंने कहा वाह, यह वही आदमी है जिसे मैं जानता हूं. उन्होंने आगे कहा, मैंने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया और कहा कि हम आपके साथ व्यापार नहीं कर सकते. ट्रंप के मुताबिक पीएम मोदी ने कहा कि हमें व्यापार करना ही चाहिए।

उन्होंने कहा कि मैंने ये दोहराया कि आप पाकिस्तान के साथ युद्ध शुरू कर रहे हैं, हम व्यापार नहीं करेंगे. फिर मैंने पाकिस्तान को फोन किया। ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तान से भी यही कहा। पाकिस्तान से कहा कि आप भारत से लड़ रहे हैं और आप जानते हैं कि दो परमाणु संपन्न राष्ट्र पाकिस्तान ने कहा कि नहीं, नहीं, आपको हमें लड़ने देना चाहिए. ट्रंप ने कहा कि मुझसे दोनों ही देशों ने कहा कि आप जानते हैं, वे युद्ध कर रहे हैं।

जनवरी तक पूरा हो...

चौड़ी सड़क से होकर गुजरेंगी। इन बसों को बिना किसी रुकावट के एयरपोर्ट तक पहुंचाने के लिए प्रमुख सड़कों का चौड़ीकरण और बस-वे निर्माण किया जा रहा है।

प्राधिकरण का लक्ष्य है कि 130 मीटर चौड़ी सड़क के माध्यम से नोएडा एयरपोर्ट और यमुना सिटी को सुगमता से जोड़ा जाए। इसके लिए सड़क विस्तार और बस-वे परियोजना पर समानांतर रूप से काम किया जा रहा है। बस-वे के पूरा होने से न केवल ट्रैफिक व्यवस्था सुधरेगी, बल्कि लोगों का सफर भी तेज और सुविधाजनक होगा।

थप्पड़ का बदला लेने...

पुलिस को पता चला है कि तीन दिन पूर्व ग्राम चुहड़पुर में एक व्यक्ति के यहां पर कुआं पूजन का कार्यक्रम चल रहा था। वहां पर पीड़ित सतीश भाग लेने गया था। एक गिरफ्तार आरोपी विनीत के पिता ओमप्रकाश भी वहां पर गए थे। ओमप्रकाश और सतीश में किसी बात को लेकर विवाद हुआ। सतीश ने ओमप्रकाश को थप्पड़ मार दिया था। इसी बात का बदला लेने के लिए विनीत अपने साथियों के संग कल थाना बीटा- दो क्षेत्र में आया और उसने पीड़ित के साथ मारपीट की।

इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। लोगों ने नोएडा पुलिस से इस मामले में सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं0-GEM/2025/B/6821608 दिनांक - 24.10.2025

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 17.11.2025 को 11:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं. : GEM/2025/B/6821608	अनुमानित मूल्य (रू.) : 13778994.48
कार्यों का विवरण : सहायक मण्डल अभियंता अलीगढ़ और टूण्डला के आधीन आपातकालीन मरम्मत कार्यों और अन्य संबद्ध कार्यों सहित सुरक्षा के लिए ट्रैक पर ठंड के मौसम में रात में गश्त का कार्य।	
बयाने की रकम (रू.) : 218895.00	**कार्य समापन की अवधि** : 3 माह
निविदा खुलने की तिथि : 17.11.2025	
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार : कोई पी0 वे0 का कार्य।	

1. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित GeM पर निविदा खुलने की तिथि दिनांक 17.11.2025 समय 11:00 बजे तक उपलब्ध है। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको GeM की वेबसाइट पर पंजीकृत कराये। 3. निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर प्रमाणपत्र जैसा निविदा पत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 4. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये GeM की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 5. निविदादाता को जी.सी.सी. सर्विसेज 2018 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अन्यथा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 1991/25(AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

श्रेयस अय्यर आईसीयू से बाहर, हालत में लगातार सुधार

सिडनी में इलाज जारी; परिवार जल्द ऑस्ट्रेलिया पहुंचेगा

सिडनी, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रेयस अय्यर सिडनी के अस्पताल के ICU से बाहर आ गए हैं। उनकी हालत में सुधार हो रहा है। टीम का एक डॉक्टर उनकी निगरानी के लिए साथ है। अय्यर को अगले कुछ दिनों में अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है।

बीसीसीआई ने कि श्रेयस को आईसीयू से बाहर शिफ्ट कर दिया गया है। हालांकि, अस्पताल से डिस्चार्ज होने में कुछ दिन और लग सकते हैं। श्रेयस के परिवार के सदस्य जल्द ही सिडनी पहुंचेंगे, ताकि उनके साथ रह सकें और रिकवरी के दौरान उनकी देखभाल कर सकें।

श्रेयस तीसरे वनडे में चोटिल हुए थे

श्रेयस को सिडनी में खेले गए तीसरे वनडे (25 अक्टूबर) के दौरान चोट लगी थी। ऑस्ट्रेलिया की पारी के दौरान 34वें ओवर में हर्षित राणा की एक गेंद पर एलेक्स कैरी ने हवाई शॉट खेला। श्रेयस ने पॉइंट से थर्डमैन एरिया की ओर दौड़ लगाकर डाइव लगाते हुए कैच पकड़ा। इस दौरान उनका बैलेंस बिगड़ गया और उनकी बाईं पसली में चोट लग गई।

श्रेयस को पूरी तरह फिट होने में समय लगेगा

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चोट के बाद अंदरूनी ब्लीडिंग हुई, इसलिए उन्हें पूरी तरह फिट होने में ज्यादा समय लगेगा। लिहाजा उनकी वापसी के लिए कोई निश्चित टाइमलाइन बता पाना मुश्किल है।

श्रेयस (31) को कम से कम एक हफ्ते तक अस्पताल में रहना होगा। वे फिलहाल भारतीय टी-20 टीम का हिस्सा नहीं हैं।

अगले कुछ दिन श्रेयस के साथ सिडनी में ही रहेंगे

बीसीसीआई ने बताया- स्कैन में पता चला कि उनके स्प्लीन (तिल्ली या प्लीहा) में चोट लगी है। हमारी मेडिकल टीम, सिडनी और भारत के स्पेशलिस्ट डॉक्टरों से सलाह लेकर अय्यर की चोट पर बारीकी से नजर रख रही है।

भारतीय टीम के डॉक्टर अगले कुछ दिन श्रेयस के साथ सिडनी में ही रहेंगे, ताकि उनकी रोजाना की प्रोग्रेस का पता चल सके। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके माता-पिता जल्द ऑस्ट्रेलिया पहुंच सकते हैं।

अंडर-23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप

सुजीत ने भारत को पहला गोल्ड दिलाया

फाइनल में उज्बेक पहलवान को 10-0 से हराया

नोवी साद, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। सर्बिया के नोवी साद में चल रही अंडर-23 सीनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में भारत के सुजीत ने 65 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में गोल्ड मेडल जीता। वहीं, पिछली बार उन्हें ब्रॉन्ज मेडल से संतुष्ट होना पड़ा था। सुजीत दो बार अंडर-23 खिताब एशियाई खिताब (2022, 2025) अपने नाम कर चुके हैं।

यह इस टूर्नामेंट में भारत का पहला गोल्ड मेडल है। हालांकि, महिलाओं ने 5 ब्रॉन्ज और 2 सिल्वर मेडल जीते।

सुजीत ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने उज्बेकिस्तान के पहलवान को 10-0 के अंतर से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

इससे पहले, पहले दौर में उन्होंने मोल्दोवा के पहलवान फियोडोर चेवदारी को 12-2 से मात दी। दूसरे दौर में पोलैंड के पहलवान डोमीनिक जैकब पर 11-0 की तकनीकी श्रेष्ठता से आसान जीत दर्ज की।

क्वार्टर फाइनल में सुजीत को बशीर मागोमेदोव से कड़ी चुनौती का सामना किया, लेकिन 4-2 से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में पहुंचे। सेमीफाइनल में उन्होंने जापान के पहलवान युतो निशियुची को 3-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

महिला टीम बनी ओवर ऑल चैंपियन

इससे पहले भारतीय महिला टीम ने इसी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 ब्रॉन्ज और 2 सिल्वर मेडल जीते थे। टीम ओवर ऑल चैंपियनशिप खिताब अपने नाम किया।

मेंस में केवल सुजीत को ही मेडल मिला

मेंस में भारत को केवल एक मेडल से संतुष्ट करना पड़ा। सुजीत ही गोल्ड जीतने में सफल हुए। वहीं, उनके अलावा दो भारतीय पहलवान ब्रॉन्ज मेडल बाउट तक पहुंचे, पर वे जीत हासिल नहीं कर सके।

चोटिल भारतीय ओपनर प्रतिका रावल की जगह शेफाली को मौका

विमेंस वर्ल्डकप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल खेल सकती हैं

स्पोर्ट्स डेस्क, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय ओपनर प्रतिका रावल विमेंस वनडे वर्ल्डकप से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह शेफाली वर्मा को मौका दिया गया है। आईसीसी ने प्रतिका के इंजरी रिप्लेसमेंट को मंजूरी दी।

25 साल की प्रतिका रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान चोटिल हो गई थीं। उनके घुटने में चोट लगी है। यह मुकाबला नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला गया। जोकि बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था। 21 साल की शेफाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में उतर सकती हैं। यह मुकाबला 30 अक्टूबर को डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जाएगा।

लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर गई मैच के 21वें ओवर में बांग्लादेश की पारी के दौरान प्रतिका रावल गेंद पकड़ने के लिए दौड़ीं। बारिश की वजह से मैदान गिला था, जिससे वह फिसलकर गिर गईं। उन्हें स्ट्रेचर की जरूरत नहीं पड़ी, लेकिन साथी खिलाड़ियों की मदद से वह हल्के लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर गईं।

सुबह बीसीसीआई ने बयान जारी कर बताया था कि टीम इंडिया की ऑलराउंडर प्रतिका रावल को फील्डिंग के दौरान घुटने और टखने में चोट लगी है। मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर करीबी नजर रख रही है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक लगाया था

25 साल की प्रतिका रावल ने भारत के लिए इस टूर्नामेंट में छह मैचों में 308 रन बनाए हैं और स्मृति मंधाना के बाद टीम की दूसरी सबसे सफल बल्लेबाज रही हैं। उन्होंने 23 अक्टूबर को मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ 134 गेंदों पर 122 रन की शानदार शतकीय पारी खेलकर भारत को सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित कराई। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने अर्धशतक भी बनाया था।

अमनजोत कौर ने ओपनिंग की, ऋचा घोष भी चोटिल

प्रतिका की जगह इस मैच में अमनजोत कौर को स्मृति मंधाना के साथ ओपनिंग का मौका दिया गया। अमनजोत 15 और मंधाना 34 रन बनाकर नाबाद रहीं। भारत ने 27 ओवर में 126 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 9वें ओवर में 57/0 तक पहुंच बना ली थी, तभी बारिश ने मैच रोक दिया और बाद में मुकाबला रद्द कर दिया गया।

प्रतिका से पहले विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष भी न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में उंगली की चोट से जूझ रही हैं। उनकी जगह उमा छेत्री को टीम में मौका मिला, जिन्होंने अपना वनडे डेब्यू किया।

उमा छेत्री असम और उत्तर-पूर्व क्षेत्र की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं, जिन्होंने भारत की ओर से वनडे वर्ल्ड कप में खेला।

राधा यादव ने 3 विकेट लिए

राधा यादव ने इस मैच में बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 6 ओवर में 30 रन देकर 3 विकेट झटके और एक शानदार डायरेक्ट थ्रो से बांग्लादेश कप्तान निगार सुल्ताना को रन आउट किया।

उनके साथ श्री चरिणी ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिन्होंने 2 विकेट लिए।

रणजी ट्रॉफी: शमी के 5 विकेट से बंगाल जीता

महाराष्ट्र ने चंडीगढ़ को 144 रन से हराया

खेल डेस्क, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। रणजी ट्रॉफी में वापसी के बाद मोहम्मद शमी लगातार बेहतरीन गेंदबाजी कर रहे हैं। दूसरे राउंड के मुकाबले में उनके 5 विकेट की बदौलत बंगाल ने गुजरात को 141 रन से हरा दिया। वहीं पृथ्वी शॉ की डबल सेंचुरी के चलते महाराष्ट्र ने चंडीगढ़ को 144 रन से हरा दिया। मुंबई, मध्य प्रदेश और कर्नाटक के मुकाबले ड्रॉ हो गए।

एलिट ग्रुप-सी में बंगाल और गुजरात के बीच ईडन गार्डन्स स्टेडियम में मैच खेला गया। बंगाल ने पहले बैटिंग करते हुए 279 रन बनाए। टीम से सुमंत गुप्ता, अभिषेक पोरेल और सुदीप कुमार घरामी ने फिफ्टी लगाई। गुजरात से सिद्धार्थ देसाई ने 4 विकेट लिए।

गुजरात ने पहली पारी में कप्तान मनन हिंगराजिया के 80 रन की बदौलत 167 रन बनाए। शाहबाज अहमद को 6 और मोहम्मद शमी को 3 विकेट मिले। बंगाल ने दूसरी पारी 8 विकेट पर 214 रन के स्कोर पर डिक्लेयर की। सिद्धार्थ देसाई को 5 विकेट मिले।

327 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी गुजरात से उर्विल पटेल ने शतक लगाया, लेकिन टीम 185 रन ही बना सकी। बंगाल से शमी ने 5 और शाहबाज ने 3 विकेट लिए। शाहबाज को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला।

एलिट ग्रुप-बी में महाराष्ट्र और चंडीगढ़ के बीच मुकाबला चंडीगढ़ में खेला गया। पहली पारी में महाराष्ट्र ने 313 और चंडीगढ़ ने 209 रन बनाए। ऋतुराज गायकवाड ने शतक लगाया। महाराष्ट्र ने अपनी दूसरी पारी 359 रन पर डिक्लेयर की और चंडीगढ़ को 464 रन का टारगेट दिया। पृथ्वी शॉ ने दोहरा शतक लगाया।

चौथी पारी में चंडीगढ़ की टीम 319 रन बनाकर सिमट गई और 144 रन से मुकाबला गंवा दिया। पहली पारी में शतक बनाने वाले गायकवाड को ही प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला।

एमपी और मुंबई के मैच ड्रॉ

एलिट ग्रुप-डी में मुंबई और चंडीगढ़ के बीच मुकाबला भी ड्रॉ हो गया। मुंबई में होम टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 416 रन बनाए। छत्तीसगढ़ पहली पारी में 217 रन ही बना सका। दूसरी पारी में टीम ने 201 रन बनाए और मुकाबला ड्रॉ हो गया। रहाणे ने शतक लगाया और मुंबई को पहली पारी में बढ़त दिलाई।

नेपाल ने भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम को 2-1 से हराया, सबित्रा भंडारी ने दागे दो गोल

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में तीन देशों के अंतरराष्ट्रीय मैत्री टूर्नामेंट के अपने दूसरे मैच में नेपाल के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। नेपाल की ओर से स्ट्राइकर सबित्रा भंडारी ने दूसरे और 63वें मिनट में दो गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत की ओर से एकमात्र गोल करिश्मा शिरवोइकर ने 81वें मिनट में करके हार के अंतर को कम किया। करिश्मा का सीनियर राष्ट्रीय टीम की ओर से यह पहला गोल है।

सबित्रा ने दूसरे ही मिनट में नेपाल को बढ़त दिला दी जब उन्होंने भारतीय गोलकीपर इलांगबाम पेनथोई चानू को छकाकर गोल किया। नेपाल ने पहले हाफ में इस बढ़त को बरकरार रखा और मध्यांतर तक टीम 1-0 से आगे थी। सबित्रा ने 61वें मिनट में एक और गोल दागकर नेपाल की बढ़त 2-0 की। करिश्मा ने फेनजोबाम निर्मला देवी की फ्री किक पर गोल दागकर भारत को वापसी दिलाने की कोशिश की लेकिन यह नाकाफी साबित हुआ।

बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास की मुश्किलें बढ़ीं

जम्मू कोर्ट ने जारी किया समन

मुंबई, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के नए अध्यक्ष मिथुन मन्हास की मुश्किलें बढ़ सकती हैं. जम्मू और कश्मीर की एक अदालत ने एक आपराधिक मानहानि शिकायत के संबंध में मिथुन मन्हास, जम्मू और कश्मीर क्रिकेट संघ (JKCA) के अधिकारियों और पत्रकारों को समन जारी किया है. शुरुआती बयान दर्ज करने के बाद, न्यायिक मजिस्ट्रेट सुनील कुमार ने कहा कि इंडियन सिविल डिफेंस कोट के तहत प्रस्तावित अभियुक्तों को सुने बिना संज्ञान नहीं लिया जा सकता. कोर्ट ने सभी अभियुक्तों को 24 नवंबर, 2025 को व्यक्तिगत रूप से या वकील के माध्यम से अपनी आपत्तियां या बचाव प्रस्तुत करने के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया है.

क्या है पूरा मामला?

रिटायर पुलिसकर्मी सुदर्शन मेहता ने की शिकायत पर कोर्ट ने ये समन जारी किया है. शिकायत के अनुसार पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी और मॉडर्न क्रिकेट क्लब जम्मू के लंबे समय से प्रशासक सुदर्शन मेहता ने JKCA की उपसमिति के सदस्यों मिथुन मन्हास, ब्रिगेडियर (रिटायर) अनिल गुप्ता और माजिद डार पर अपने अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण करने और सुप्रीम कोर्ट तथा जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट द्वारा निर्धारित लोढ़ा समिति के सुधारों को लागू करने में विफल रहने का आरोप लगाया है.

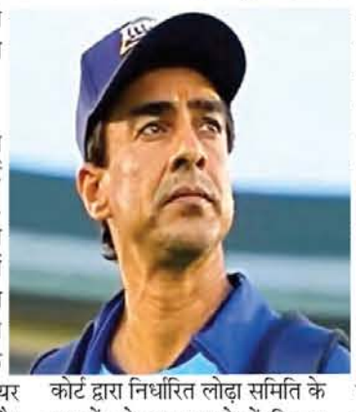

शिकायत में कहा गया है कि मिथुन मन्हास, अनिल गुप्ता और माजिद डार-जिन्हें साल 2021 में बीसीसीआई ने जेकेसीए के दैनिक मामलों का मैनेजमेंट करने के लिए नियुक्त किया था, ने कथित तौर पर कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए प्रशासनिक और वित्तीय निर्णय लेकर अपने अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण किया.

मिथुन मन्हास पर क्या आरोप लगे?

यह मूल रूप से चीफ जूडिशियल मजिस्ट्रेट, जम्मू के समक्ष दायर किया गया था और बाद में सब जज की अदालत में स्थानांतरित कर दिया गया था. इसमें मन्हास और अन्य पर जेकेसीए के आंतरिक मामलों के संबंध में मानहानि, न्यायिक आदेशों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने और पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया है. सुदर्शन मेहता द्वारा बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में मन्हास के नामांकन को चुनौती देने वाली एक रिट याचिका दायर करने के बाद विवाद और बढ़ गया.

जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट ने 26 सितंबर, 2025 को इस याचिका को खारिज कर दिया था. शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अगले ही दिन, जेकेसीए उपसमिति के सदस्यों ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर झूठा दावा किया कि हाई कोर्ट ने याचिका को "तुच्छ" बताते हुए खारिज कर दिया है और मेहता का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है.

पहले टी-20 पर मंडरा रहा बारिश का साया!

कैनबरा में ना हो जाए मैच का मजा किरकिरा

कैनबरा, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। वनडे सीरीज में मिली हार का हिसाब टीम इंडिया टी-20 में चुकता करने के लिए बेकरार है. टी-20 सीरीज की शुरुआत 29 अक्टूबर से होने जा रही है. पहला मुकाबला कैनबरा के मनुका ओवल में खेला जाना है. सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टी-20 टीम इस समय गजब की फॉर्म में है.

एशिया कप 2025 में टीम का प्रदर्शन लाजवाब रहा था. बल्ले से अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. वहीं, गेंदबाजी अटैक में जसप्रीत बुमराह की वापसी से जान आएगी. कैनबरा में होने वाले पहले टी-20 पर बारिश का साया मंडरा रहा है.

बारिश करेगी मैच का मजा किरकिरा?

कैनबरा में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले पहले टी-20 मैच पर बारिश का साया मंडरा रहा है. मैच के वक्त बारिश होने की संभावना है, जो बार-बार खलल डाल सकती है. हालांकि, फैन्स के लिहाज से अच्छी बात यह है कि मैच के समय पर तेज बारिश होने के चांस बेहद कम हैं. यानी बारिश मैच में खलल तो डालेगी, पर मुकाबला बरसात के चलते धुल जाने या ओवर कम होने के चांस काफी कम हैं. मैदान पर शुरुआत से ही काले बादल छाए रहेंगे, जिसका फायदा तेज गेंदबाजों को मिल सकता है.

कैसी खेलती है कैनबरा की पिच?

टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला कैनबरा के मनुका ओवल में खेला जाना है. कैनबरा के इस मैदान को बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग माना जाता है. पिच में अच्छा उछाल देखने को मिलता है और इस ग्राउंड की आउटफील्ड काफी तेजी मानी जाती है. यह वजह है कि कैनबरा में जमकर चौके-छक्कों की बरसात होती है.

हालांकि, पिच से शुरुआत में तेज गेंदबाजों को भी मदद मिलती है. यानी कुल मिलाकर समझने वाली बात यह है कि पहले टी-20 में ही दोनों टीमों के बल्लेबाजों की तरफ से रनों का अंबार लगता हुआ दिखाई दे सकता है.

क्या कहते हैं आंकड़े?

कैनबरा में अब तक कुल 22 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं, जिसमें से पहले बैटिंग करने वाली टीम को 10 मैचों में जीत नसीब हुई है. वहीं, 9 मैचों में रनों का पीछा करने वाली टीम ने मैदान मारा है. यानी टॉस इस ग्राउंड पर कुछ खास रोल प्ले नहीं करता है. पहली पारी का औसतन स्कोर इस मैदान पर 150 रन रहा है. वहीं, दूसरी इनिंग का एवरेज स्कोर 126 रन रहा है. साउथ अफ्रीका ने इसी मैदान पर 20 ओवर में 195 रन लगाए थे, जो यहां का सबसे बड़ा स्कोर भी है.

पहला टी-20: वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को 16 रन से हराया

कप्तान शाई होप ने 46 रन बनाए

चट्टोग्राम, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज ने पहले टी-20 में बांग्लादेश को 16 रन से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कैरिबियाई टीम ने 3 विकेट खोकर 165 रन बनाए। कप्तान शाई होप ने 46 और रोवमन पॉवेल ने 44 रन की पारी खेली। दोनों नाबाद लौटे।

चट्टोग्राम में बांग्लादेश से तस्कीन अहमद ने सबसे ज्यादा 2 विकेट चटकाए। जवाब में बांग्लादेशी टीम 19.4 ओवर में 149 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम से तंजीम हसन शाकिब ने सबसे ज्यादा 33 रन बनाए। वेस्टइंडीज से जेडेन सील्स और जेसन होल्डर ने 3-3 विकेट लिए।

वेस्टइंडीज के ओपनर्स ने टीम को शानदार शुरुआत दी। एलिक एथनाज और ब्रैंडन किंग ने मिलकर 50 बॉल पर 59 रन जोड़े। एलिक एथनाज 27 बॉल पर 34 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें लेग स्पिनर रिशाद हुसैन ने बोल्ड किया। ब्रैंडन किंग को पेसर तस्कीन अहमद ने आउट किया। वे 36 बॉल पर 33 रन बनाकर आउट हुए।

82 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद कप्तान शाई होप ने कैरिबियाई पारी को संभाला। उन्होंने तेजी से बल्लेबाजी की और 28 बॉल पर नाबाद 46 रन बना डाले। पारी में 4 सिक्स और एक चौके भी लगाए। हालांकि दूसरे छोर पर शेरफेन रदरफोर्ड शून्य के स्कोर पर आउट हो गए। उन्हें तस्कीन अहमद ने शून्य के स्कोर पर विकेटकीपर लिटन दास के हाथों कैच करा दिया।

रोवमन पॉवेल ने अंतिम ओवरों में तेजी से बल्लेबाजी की और 157.14 की स्ट्राइक रेट से 28 बॉल पर 44 रन बना डाले। उन्होंने पारी में एक चौका और 4 सिक्स लगाए। पॉवेल ने दूसरे छोर पर कप्तान शाई होप के साथ 46 बॉल पर 83 रन जोड़े। बांग्लादेश से तस्कीन अहमद को 2 विकेट मिले। लेग स्पिनर रिशाद हुसैन ने एक विकेट लिया।

166 रन का पीछा कर रही बांग्लादेशी टीम ने पावरप्ले के 6 ओवर में 4 विकेट गंवा दिए। सैफ हसन 8, तंजीद हसन तमीम 15, कप्तान लिटन दास 5 और शमीम हुसैन एक रन बनाकर पवेलियन लौटे। अकील हुसैन ने सैफ हसन और लिटन दास को आउट किया। तंजीद हसन शमीम को जेडेन सील्स और शमीम हुसैन को जेसन होल्डर ने आउट किया।

विमेंस वनडे रैंकिंग- मंधाना ने करियर की बेस्ट रेटिंग हासिल की

नंबर-1 पर कायम, जेमिमा ने 8 स्थान की छलांग लगाई; प्रतिका टॉप-30 में शामिल

दुबई, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय विमेंस टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने वनडे करियर में अपनी बेस्ट रेटिंग हासिल कर ली है। उनके 828 पॉइंट्स हो गए हैं। मंधाना ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 109 और बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 34 रन बनाए थे। वहीं उनकी साथी ओपनर प्रतिका रावल टॉप-30 में आ गईं हैं।

मंगलवार को जारी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की ऐश गार्डनर वनडे में दूसरे स्थान पर पहुंच गईं। उन्होंने 6 पायदान की छलांग लगाई। दीप्ति शर्मा को बॉलिंग और ऑलराउंडर दोनों रैंकिंग में नुकसान झेलना पड़ा है। दीप्ति बॉलिंग में 2 और ऑलराउंडर रैंकिंग में एक स्थान खिसक गईं हैं।

मंधाना वर्ल्ड कप 2025 की टॉप बैटर

ओपनर स्मृति मंधाना शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने विमेंस वर्ल्ड कप 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। वे एक शतक और दो फिफ्टी के साथ 365 रन बना चुकीं हैं। मंधाना ने 7 इनिंग में करीब 61 की औसत और 103 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। उन्होंने इसी साल सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में दमदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताब भी जीता था।

प्रतिका रावल ने 12 स्थान की छलांग लगाई

टूर्नामेंट की सेकेंड टॉप बैटर प्रतिका रावल 12 स्थान की छलांग के साथ 27वीं रैंकिंग में पहुंच गईं हैं। उन्होंने विमेंस वर्ल्ड कप की 6 इनिंग में 308 रन बनाए हैं। हालांकि बांग्लादेश के खिलाफ फील्डिंग करते समय एंकल की चोट ने उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है। उनकी जगह टीम में शेफाली वर्मा को शामिल किया गया है।

जेमिमा ने करियर बेस्ट रैंकिंग हासिल की

न्यूजीलैंड के खिलाफ फिफ्टी लगाने का फायदा जेमिमा रॉड्रिग्ज को मिला है। वे 8 स्थान ऊपर पहुंचकर 19वें पायदान पर आ गईं हैं। यह उनके वनडे करियर की बेस्ट रैंकिंग है। ऑस्ट्रेलिया की ऐश गार्डनर इंग्लैंड के खिलाफ शतक लगाने के बाद छह पायदान ऊपर पहुंची हैं। उनके 731 पॉइंट्स से हैं।

साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वूलवॉर्ट दो स्थान ऊपर चढ़कर टॉप-3 में पहुंच गई हैं। उन्होंने हाल ही में 90 और 31 रनों की पारियां खेली थीं। इंग्लैंड की एमी जोन्स चार स्थान ऊपर चढ़कर 9वें नंबर (656 पॉइंट्स) पर पहुंचीं, जबकि ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड 16 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 16वें नंबर (613 पॉइंट्स) पर आ गईं।

गुलाब की खेती

भूमिका

गुलाब अपनी उपयोगिताओं के कारण सभी पुष्पों में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। आमतौर पर गुलाब का पौधा ऊंचाई में 4-6फुट का होता है। तने में असमान कांटे लगे होते हैं। गुलाब की 5 पत्तियां मिली हुई होती है। बहुत मात्रा में मिलने वाला गुलाब का फूल गुलाबी रंग का होता है। गुलाब का फल अंडाकार होता है। इसका तना कांटेदार, पत्तियां बारी-बारी से घेरे में होती है। पत्तियों के किनारे दांतेदार होती है। फल मांसल बेरी की तरह होता है जिसे 'रोज हिप' कहते हैं। गुलाब का पुष्पवृन्त कोरिम्बोस, पेनीकुलेट या सोलिटरी होता है।

गुलाब एक भारतीय पुष्प है। पूरे भारत में गुलाब के पौधे पाए जाते हैं। गुलाब का वैज्ञानिक नाम रोजा हाइब्रिडा है। देशी गुलाब लाल रंग का होता है। परन्तु कलम करके कई रंगो के गुलाब उगाए जाते हैं। गुलाब एक ऐसा फूल है, जिसके बारे में सब जानते हैं। गुलाब का फूल दिखने में जितना अधिक सुन्दर होता है। उससे कहीं ज़्यादा उसमें औषधीय गुण होते हैं। यह सबसे पुराना सुगन्धित पुष्प है, जो मनुष्य के द्वारा उगाया जाता था। इसके विभिन्न प्रकार के सुन्दर फूल जो कि आर्कषक, आकृति, विभिन्न आकार, मन को लुभाने वाले रंगों और अपने विभिन्न उपयोगिताओं के कारण एक महत्त्वपूर्ण पुष्प माना जाता है।

गुलाब की उपज भूमि की उर्वरा शक्ति फसल की देखरेख एवं प्रजातियों पर निर्भर करती हैद्ध फूलों का गुण हैं खिलना, खिल कर महकना, सुगंध बिखेरना, सौंदर्य देना और अपने देखने वाले को शांति प्रदान करना। फूलों की इस खूबसूरत दुनिया में गुलाब का एक ख़ास स्थान है क्योंकि इसे सौंदर्य, सुगंध और खुशहाली का प्रतीक माना गया है। तभी तो इसे 'पुष्प सम्राट' की संज्ञा दी गयी है और 'गुले-आप', यानी फूलों की रौनक भी कहा गया है। इस की भीनीभीनी मनमोहक सुगंध, सुन्दरता, रंगों की विविध किस्मों के कारण हर प्रकृति प्रेमी इसे अपनाना चाहता है।

भारत में गुलाब हर जगह उगाया जाता है। बागबगीचों, खेतों, पार्कों, सरकारी व निजी इमारतों के अहातों में, यहाँ तक कि घरों की ग्रह-वाटिकाओं की क्यारियों और गमलों में भी गुलाब उगा कर उस का आनंद लिया जाता है। गुलाब पूरे उत्तर भारत में, खासकर राजस्थान में तथा बिहार और मध्य प्रदेश में जनवरी से अप्रैल तक खूब खिलता है। दक्षिण भारत में खासतौर पर बंगलौर में और महारास्ट्र और गुजरात में भी गुलाब की भरपूर खेती होती है।

गुलाब को घर पर गमले में खिड़की की मंजूषा में, रसोई बगीचे की क्यारी में, आँगन में उगाने के लिए पर्याप्त धूप का होना एक आवश्यक शर्त है। गुलाब को दिन में कम से कम छः से आठ घंटे की खुली धूप होना आवश्यक है। गुलाब के पौधों के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त मिट्टी अच्छी होती है। बहुत चिकनी मिट्टी इसके अनुकूल नहीं होती है। मिट्टी का जल निकास और वायुसंचार सुचारु होना चाहिए। भूमि में हल्की नमी बनी रहना चाहिए। गुलाब को विश्वभर में पसंद किया जाता है। इस पर व्यापक अनुसंधान एवं विकास कार्य किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुलाब प्रेमियों के संगठन हैं, जो नई किस्मों के विकास, परिचिन्हन, मानकीकरण आदि करते हैं। इसके अनुसार पौधों की बनावट, ऊँचाई, फूलों के आकार आदि के आधार पर इन्हें निम्न वर्गों में बाँटा गया है।

गुलाब का व्यवसाय

गुलाब की खेती व्यावसायिक स्तर पर करके काफी लाभ कमाया जा सकता है। गुलाब की खेती बहुत पहले से पूरी दुनिया में की जाती हैद्ध इसकी खेती पूरे भारतवर्ष में व्यवसायिक रूप से की जाती हैद्ध गुलाब के फूल डाली सहित या कट फ्लावर तथा पंखुड़ी फ्लावर दोनों तरह के बाजार में व्यापारिक रूप से पाये जाते हैद्ध गुलाब की खेती देश व् विदेश निर्यात करने के लिए दोनों ही रूप में बहुत महत्वपूर्ण हैद्ध गुलाब को कट फ्लावर, गुलाब जल, गुलाब तेल, गुलकंद आदि के लिए उगाया जाता हैद्ध गुलाब की खेती मुख्यतः कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्रा, बिहार, पश्चिम बंगाल ,गुजरात, हरियाणा, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, आंध्रा प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में अधिक की जाती हैद्ध

फूल के हाट में गुलाब के गजरे खूब बिकते हैं। गुलाब की पंखुडियों और शक्कर से गुलकन्द बनाया जाता है। गुलाब जल और गुलाब इत्र के कुटीर उद्योग चलते है। उत्तर प्रदेश में कन्नौज, जौनपुर आदि में गुलाब के उत्पाद की उद्योगशाला चलती है। दक्षिण भारत में भी गुलाब के उत्पाद के उद्योग चलते हैं। दक्षिण भारत में गुलाब फूलों का खूब व्यापार होता है। मन्दिरों, मण्डपों, समारोहों, पूजा-स्थलों आदि स्थानों में गुलाब फूलों की भारी खपत होती है। यह अर्थिक लाभ का साधन है। वहाँ हजारों ग्रामीण युवा फूलों को अपनी आय का माध्यम बना लेते हैं।

गुलाब की खेती के लिए आवश्यक सावधानियां

बरसात के मौसम में गमलों और क्यारियों में बहुत देर तक पानी भरा न रहने दें।

हर साल, पौधों की छंटाई कर, गमले के ऊपर की 2-3 इंच मिट्टी निकाल कर उस में उतनी ही गोबर की सड़ी खाद भर दें।

हर 2-3 साल के बाद सम्पूर्ण पौधे को मिट्टी सहित नए गमले में ट्रांसफर कर दें। चाहें तो गमले की मिट्टी बदल कर ताजा मिश्रण भरें।

यह प्रक्रिया सितम्बर-अक्टूबर में करें।

गुलाब की किस्में

भारत में उगाई जाने वाली गुलाब की परम्परागत किस्में हैं, जो देश के अलगअलग इलाकों में उगाई जाते हैं, विदेशों से भी

अलगअलग किस्में मांगा कर उन का 'संकरण' (2 किस्मों के बीच क्रास) कर के अनेक नई व उन्नत किस्में तैयार की गयी हैं, जो अब अपने देश में बहुत लोकप्रिय हैं।

गुलाब की विदेशी किस्में जर्मनी, जापान, फ्रास, इंग्लैण्ड, अमेरिका, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से मंगाई गयी हैं। भारतीय गुलाब विशेषज्ञों ने देशी किस्मों में भी नयी विकसित 'संकर' (हाईब्रिड) किस्में जोड़ कर गुलाब की किस्मों की संख्या में वृद्धि की है। इस दिशा में दिल्ली स्थित भारती कृषि अनुसंधान संस्थान का अनुसंधान कार्य ख़ास उल्लेखनीय है। दक्षिण भारत में भारतीय बागबानी अनुसंधान संसथान, बंगलौर ने भी किस्मों के विकास और वृद्धि में भरपूर कार्य किया है। मात्र शौक और सजावट के लिये गुलाब का पौधा जब गमले में उगाया जाए तो किस्मों का चुनाव भी उसी के अनुसार किया जाना चाहिए। व्यावसायिक स्तर पर गुलाब की खेती करनी हो तो वैसी ही किस्मों का चयन करें। इस बारे में प्राय- सभी बड़ी नर्सरियों में पूरी जानकारी मिल सकती है। दिल्ली में हों तो भारतीय कृषि अनुसंधान पूसा के पुष्प विज्ञान विभाग से उचित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

वैसे तो विश्व भर में गुलाब की किस्मों की संख्या लगभग 20 हजार से अधिक है, जिन्हें विशेषज्ञों ने विभिन्न वर्गों में बांटा है लेकिन तक्तीकी तौर पर गुलाब के 5 मुख्य वर्ग हैं, जिन का फूलों के रंग, आकार, सुगंध और प्रयोग के अनुसार विभाजन किया गया है, जो इस प्रकार है- हाईब्रिड टीज, फ्लोरीबंडा, पोलिएन्था वर्ग, लता वर्ग और मिनिएचर वर्ग।

हाईब्रिड टीज वर्ग

यह बड़े आकार के गुलाबों का एक महत्वपूर्ण वर्ग है, जिस में टहनी के ऊपर या सिरे पर एक ही फूल खिलता है, इस वर्ग की अधिकतर किस्में यूरोप और छीन के 'टी' गुलाबों के 'संकर' (क्रास) से तैयार की गयी है, इस वर्ग की भारतीय किस्में हैं = डा.होमी भाभा, चितवन, भीम, चित्रलेखा, चंद्वंदीकली, गुलजार, मिलिंद, मृणालिनी, रक्त्गंधा, सोमा, सुरभी, नूरजहाँ, मदहोश, डा. बैंजमन पाल आदि।

हाइब्रिड टी (एचटी),इस वर्ग के पौधे बड़े, ऊँचे व तेजी से बढ़ने वाले होते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में अर्जुन, जवाहर, रजनी, रक्तगंधा, सिद्धार्थ, सुकन्या आदि हैं। इनके पुष्प शाखा के सिरे पर बड़े आकर्षक लगते हैं। एक शाखा के सिरे पर एक ही फूल आता है।

फ्लोरीबंडा वर्ग

यह हाईब्रिड टीज और पोलिएन्था गुलाबों के संकर (मिलन) से विकसित किये गए गुलाबों का वर्ग है। इस के फूल उपेक्षाकृत छोटे किन्तु गुच्छों में खिलतें हैं और आकार व वजन में बढ़िया होते हैं। इस वर्ग के फूल गृहवाटिका की क्यारियों और गमलों में ज्यादा देखने को मिलते हैं। फूल प्राप्त किये जा सकते हैं। ठन्डे मौसम में जब दूसरे गुलाब नहीं खिलते हैं, इस वर्ग के फूल दिल्ली सहित उत्तर भारत के सभी राज्यों में खूब खिलते हैं। इस की मुख्य किस्में है -दिल्ली, प्रिन्सिस, बंजारन, करिश्मा, चन्द्रमा, चित्तचौर, दीपिका, कविता, जन्तामंतर, सदाबहार, लहर, सूर्यकिरण, समर, बहिश्त, आइसबर्ग, शबनम आदि।

फ्लोरीबंडा, इसके पौधे मध्यम लंबाई वाले होते हैं, इनमें फूल भी मध्यम आकार के और कई फूल एक साथ एक ही शाखा पर लगते हैं। इनके फूलों में पंखुड़ियों की संख्या हाइब्रिड टी के फूलों की अपेक्षा कम होती हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में बंजारन, आम्रपाली, ज्वाला, रांगोली, सुषमा आदि हैं।

ग्रेन्डीफ्लोरा

यह उपरोक्त दोनों किस्मों के संयोग से तैयार किया गया है। गुलदानों में इस वर्ग के फूलों को अधिक पसंद किया जाता है। बड़े स्तर पर खेती के लिए इस वर्ग का अधिक उपयोग किया जाता है। गोल्ड स्पॉट, मांटेजुआ, क्वीन एलिजाबेथ इस वर्ग की प्रचलित किस्में हैं।

पॉलिएन्था

इस वर्ग के पौधों को घरेलू बगीचों व गमलों में लगाने के लिए पसंद किया जाता है। क्योंकि इनमें मध्यम आकार के फूल अधिक संख्या में साल में अधिक समय तक आते रहते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में स्वाति, इको, अंजनी आदि हैं।

मिनिएचर वर्ग

इस के पौधे, पट्टियां और फूल सभी छोटे होते हैं। पौधे कलामों द्वार उगे जाते हैं। यह गमलों, पतियों आदि में उगाने की उपयुक्त किस्म है। गृहवाटिका की क्यारियों के चारों ओर बार्डर लगाने के लिये भी उपयुक्त है। गुलाब के फूल खिलने का मौसम (अक्टूबर से मार्च) में इस किस्म के गुलाब खूब खिलते हैं। विभिन्न रंगों में ये गुच्छों और डंडियों पर अलग भी उगते हैं। बेबी डार्लिंग, बेबी गोल्ड, स्टार, ग्रीन इसे, ब्यूटी सीकृत, ईस्टर मार्निंग, संड्रीलो आदि इस की लोकप्रिय किस्में हैं। मिनीएचर,जैसा कि इसके नाम से स्पष्ट है, ये कम लंबाई के छोटे बौने पौधे होते हैं। इनकी पत्तियों व फूलों का आकार छोटा होने के कारण इन्हें बेबी गुलाब भी कहते हैं। ये छोटे किंतु संख्या में बहुत अधिक लगते हैं। इन्हें बड़े शहरों में बंगलों, फ्लैटों आदि में छोटे गमलों में लगाया जाना उपयुक्त रहता है, परंतु धूप की आवश्यकता अन्य गुलाबों के समान छः से आठ घंटे आवश्यक है। इस वर्ग की प्रमुख किस्में ड्वार्फ किंग, बेबी डार्लिंग, क्रीकी, रोज मेरिन, सिल्वर टिप्स आदि हैं।

लता वर्ग (क्लैंग्बिंग एंड रैंबलिंग रोज)

इस वर्ग के गुलाब के पौधे लताओं के रोप में बढ़ते हैं और पैराबोला पर या दीवार का सहारा पा कर बढ़ते हैं। ये साल में केवल एक बार खिलते हैं।

ये गुलाब की बेल (लता) वाली किस्में हैं। इन्हें मेहराब या अन्य किसी सहारे के साथ चढ़ाया जा सकता है। इनमें फूल एक से तीन (क्लाइंबर) व गुच्छों (रेम्बलर) में लगते हैं। इस की मुख्य किस्में है सदाबहार, समर स्नो, डा.होमी भाभा, मार्शल नील, दिल्ली वाईट पर्ल आदि।

क्लाइंबर वर्ग की प्रचलित किस्में गोल्डन शावर, कॉकटेल, रायल गोल्ड और रेम्बलर वर्ग की एलवटाइन, एक्सेलसा, डोराथी पार्किंस आदि हैं।

गुलाब में जितने रंगों के फूल देखने को मिलते हैं उतने शायद किसी दूसरे फूल में नहीं। यदि सफ़ेद गुलाब हैं तो पीले, लाल, नारंगीलाल, रक्त्लाल, गुलाबी लेवेंडर रंग के दोरंगे, तीरंगे और यहाँ तक कि अब तो नीले और काले रंग के गुलाब भी पाए जाते है।

गुलाब की खेती के लिए जलवायु और भूमि

गुलाब की खेती उत्तर एवं दक्षिण भारत के मैदानी एवं पहाड़ी क्षेत्रों में जाड़े के दिनों में की जाती हैद्ध दिन का तापमान 25 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तथा रात का तापमान 12 से 14 डिग्री सेंटीग्रेट उत्तम माना जाता हैद्ध गुलाब की खेती हेतु दोमट मिट्टी तथा अधिक कार्बनिक पदार्थ वाली होनी चाहिएद्ध जिसका पी.एच. मान 5.3 से 6.5 तक उपयुक्त माना जाता है।

गुलाब की उन्नतशील प्रजातियां

गुलाब की लगभग 6 प्रकार की प्रजातियां पाई जाती है प्रथम संकर प्रजातियां जिसमे कि क्रिमसन ग्लोरी, मिस्टर लिंकन, लवजान, अफकैनेडी, जवाहर, प्रसिडेंट, राधाकृषणन, फर्स्ट लव , पूजा, सोनिया, गंगा, टाटा सैंटानरी, आर्किड, सुपर स्टार, अमेरिकन हेरिटेज आदि हैद्ध दूसरे प्रकार कि पॉलीएन्था इसमे अंजनी, रश्मी, नर्तकी, प्रीत एवं स्वाती आदिद्ध तीसरे प्रकार कि फ लोरीबण्डा जैसी कि बंजारन, देहली प्रिंसेज, डिम्पल, चन्द्रमा, सदाबहार, सोनोरा, नीलाम्बरी, करिश्मा सूर्यकिरण आदिद्ध चौथे प्रकार कि गैंडीफलोरा इसमे क्वींस, मांटेजुमा आदिद्ध पांचवे प्रकार कि मिनीपेचर ब्यूटी क्रिकेट, रेड फ्लस, पुसकला, बेबीगोल्ड स्टार, सिल्वर टिप्स आदि और अंत में छठवे प्रकार कि लता गुलाब इसमे काक्लेट, ब्लैक बॉय, लैंड मार्क, पिंक मेराडोन, मेरीकलनील आदि पाई जाती है।

गुलाब के खेतों की तैयारी

सुंदरता की दृष्टि से औपचारिक लेआउट करके खेत को क्यारियों में बाँट लेते है क्यारियों की लम्बाई चौड़ाई 5 मीटर लम्बी 2 मीटर चौड़ी रखते हैद्ध दो क्यारियों के बीच में आधा मीटर स्थान छोड़ना चाहिएद्ध क्यारियों को अप्रैल मई में एक मीटर की गुड़ाई एक मीटर की गहराई तक खोदे और 15 से 20 दिन तक खुला छोड़ देना चाहिएद्ध क्यारियों में 30 सेंटीमीटर तक सूखी पत्तियो को डालकर खोदी गयी मिट्टी से क्यारियों को बंद कर देना चाहिए साथ ही गोबर की सड़ी खाद एक महीने पहले क्यारी में डालना चाहिए इसके बाद क्यारियों को पानी से भर देना चाहिए साथ ही दीमक के बचाव के लिए फ़ालीडाल पाउडर या कार्बोफ्यूरान 3 जी. का प्रयोग करेद्ध लगभग 10 से 15 दिन बाद ओठ आने पर इन्ही क्यारियों में कतार बनाते हुए पौधे व् लाइन से लाइन की दूरी 30 गुने 60 सेंटीमीटर रखी जाती हैद्ध इस दूरी पर पौधे लगाने पर फूलों की डंडी लम्बी व् कटाई करने में आसानी रहती है।

गुलाब की खेती में खाद और उर्वरकों की आवश्यकता

उत्तम कोटि के फूलों की पैदावार लेने के हेतु प्रूनिंग के बाद प्रति पौधा 10 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद मिट्टी में मिलाकर सिंचाई करनी चाहिएद्ध खाद देने के एक सप्ताह बाद जब नई कोपल फूटने लगे तो 200 ग्राम नीम की खली 100 ग्राम हड्डी का चूरा तथा रासायनिक खाद का मिश्रण 50 ग्राम प्रति पौधा देना चाहिएद्ध मिश्रण का अनुपात एक अनुपात दो अनुपात एक मतलब यूरिया, सुपर फास्फेट, पोटाश का होना चाहिए।

गुलाब की देखभाल

गुलाब के लिए सिंचाई का प्रबंधन उत्तम होना चाहिएद्ध आवश्यकतानुसार गर्मी में 5 से 7 दिनों के बाद तथा सर्दी में 10 से 12 दिनों के बाद सिंचाई करते रहना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मैदानी भागो में कटाई-छटाई हेतु अक्टूबर का दूसरा सप्ताह सर्वोत्तम होता है लेकिन उस समय वर्षा नहीं होनी चाहिएद्ध पौधे में तीन से पांच मुख्य टहनियों को 30 से 40 सेंटीमीटर रखकर कटाई की जाती हैद्ध यह ध्यान रखना चाहिए कि जहाँ आँख हो वहाँ से 5 सेंटीमीटर ऊपर से कटाई करनी चाहिएद्ध कटे हुए भाग को कवकनाशी दवाओ से जैसे कि कापर आक्सीक्लोराइड, कार्बेन्डाजिम, ब्रोडोमिश्रण या चौबटिया पेस्ट का लेप लगना आवश्यक होता हैद्ध

गमलों के लिये मिट्टी का मिश्रण कुछ इस तरह से रखें। 2 भाग खेत की मिटटी, एक भाग खूब सड़ी गोबर की खाद, एक भाग में सूखी हरी पत्ते की खाद (लीफ मॉल्ड) और लकड़ी का बुरादा मिला लें। सम्भव हो तो कुछ मात्रा में हड्डी का चुरा भी मिला लें। इस से पौधों और जड़ों का अच्छा विकास होता है।

याद रहे कि गमलों में पौधों का रखरखाव वैसा ही हो, जैसी कि क्यारियों में होता है, उन की उचित निराईगुडाई में होता है। मसलन, पौधों को पूरी खुराक मिले, उन की उचित निराईगुडाई और सिंचाई हो, कीट व्याधियों से बचाव हो, गमलों के पौधों को मौसम के अनुसार समय-समय पर पानी दिया जाए और उन की कटाईछंटाई भी की जाए। सप्ताह में एक बार गमलों की दिशा भी अवश्य बदलें और उन के तले से पानी निकलने का चित्र भी उचित रूप से खुला रखें। गुलाब में माहू, दीमक एवं सल्क कीट लगते हैद्ध माहू तथा सल्क कीट के दिखाई देने पर तुरंत डाई मिथोएट 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में या मोनोक्रोटोफास 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 -3 छिड़काव करना चाहिएद्ध दीमक के नियंत्रण हेतु सिंचाई करनी चाहिए तथा फोरेट 10 जी. 3 से 4 ग्राम या फ़ालीडाल 2त्न धुल 10 से 15 ग्राम प्रति पौधा गुड़ाई करके भूमि में अच्छी तरह मिला देना चाहिए।

गुलाब के फूलों की कटाई

सफ़ेद, लाल, गुलाबी रंग के फूलों की अध् खुली पंखुड़ियों में जब ऊपर की पंखुड़ी नीचे की ओर मुड़ना शुरू हो जायें तब फूल काटना चाहिएद्ध फूलों को काटते समय एक या दो पत्तियां टहनी पर छोड़ देना चाहिए जिससे पौधों की वहाँ से बढ़वार होने में कोइ परेशानी न हो सकेद्ध फूलों की कटाई करते समय किसी बर्तन में पानी साथ में रखना चाहिए जिससे फूलों को काटकर पानी तुरंत रखा जा सकेद्ध बर्तन में पानी कम से कम 10 सेंटीमीटर गहरा अवश्य होना चाहिए जिससे फूलों की डंडी पानी में डूबी रहे पानी में प्रिजर्वेटिव भी मिलाते हैद्ध फूलों को कम से कम 3 घंटे पानी में रखने के बाद ग्रेडिंग के लिए निकालना चाहिएद्ध यदि ग्रेडिंग देर से करनी हो तो फूलों को 1 से 3 डिग्रीसेंटीग्रेट तापक्रम पर कोल्ड स्टोरेज रखना चाहिए जिससे कि फूलों की गुणवत्ता अच्छी रह सके

गुलाब के पौधे गृहवाटिका में मिटटी के गमलों में आसानी से उगे जा सकते हैं, जो कम से कम 30 सेंटीमीटर घेरे के और उतने ही गहरे हों। मिनिएचर गुलाब के लिये 20 से 25 सेंटीमीटर आकार के गमले पर्याप्त हैं। गमलों को स्वच्छ वातावरण में रखा जाए। जैसे ही नयी कोपलें और शाखाएं अंकुरित होने लगें, उन्हें ही सूरज की रोशनी में रखें। दिन भर इन्हें 4-5 घंटे धूप अवश्य मिलनी चाहिए। हाँ, गरमी की कड़कती धूप में 1-2 घंटे ही पर्याप्त हैं।

जब जहाँ भी चारों ओर गुलाब खिलता है तो सब ओर इस की सुरभि व्याप्त हो जाती है। फरवरी-मार्च में गुलाब अपने पूर्ण यौवन और बहार पर होता है। आओ, इसे अपनी गृहवाटिका में उगायें और इस के सौंदर्य और महक का आनंद लें।

गुलाब की खेती करने के लिए पौध तैयार करना

आमतौर पर जुलाई-अगस्त में मानसून आते ही गुलाब लगाया जाता है। सितम्बर-अक्टूबर में तो यह भरपूर उगाया जाता है। गुलाब लगाने की सम्पूर्ण विधि और प्रक्रिया अपनाई जाए तो यह फूल मार्च तक अपने सौंदर्य, सुगंध और रंगों से न केवल हमें सम्मोहित करता है बल्कि लाभ भी देता है। जंगली गुलाब के ऊपर टी बडिंग द्वारा इसकी पौध तैयार होती हैद्ध जंगली गुलाब की कलम जून-जुलाई में क्यारियों में लगभग 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगा दी जाती हैद्ध नवम्बर से दिसंबर तक इन कलम में टहनियां निकल आती है इन पर से कांटे चाकू से अलग कर दिए जाते हैद्ध जनवरी में अच्छे किस्म के गुलाब से टहनी लेकर टी आकार कालिका निकालकर कर जंगली गुलाब की ऊपर टी में लगाकर पालीथीन से कसकर बाँध देते हैद्ध ज्यो-ज्यो तापमान बढता है तभी इनमे टहनी निकल आती हैद्ध जुलाई अगस्त में रोपाई के लिए पौध तैयार हो जाती है। पौधशाला से सावधानीपूर्वक पौध खोदकर सितम्बर-अक्टूबर तक उत्तर भारत में पौध की रोपाई करनी चाहिएद्ध रोपाई करते समय ध्यान दे कि पिंडी से घास फूस हटाकर भूमि की सतह से 15 सेंटीमीटर की ऊंचाई पर पौधों की रोपाई करनी चाहिएद्ध पौध लगाने के बाद तुरंत सिंचाई कर देना चाहिए।

कल करें आंवले के पेड़ की पूजा 1 नवंबर को विश्राम से जागेंगे श्रीहरि

कार्तिक शुक्ल अष्टमी पर गोपाष्टमी व्रत किया जाता है। इस दिन गौ माता और बाल गोपाल की विशेष पूजा की जाती है। मान्यता है कि इसी तिथि पर बाल गोपाल ने नंदगांव में गौचारण यानी गाय चराने का काम शुरू किया था। इस दिन गायों को स्नान कराया जाता है, उनकी सजावट करते हैं। गोपाष्टमी पर किसी गौशाला में गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें।

30 अक्टूबर को आंवला नवमी

कार्तिक शुक्ल नवमी पर आंवले के पेड़ की पूजा का पर्व आंवला नवमी मनाते हैं, इसे अक्षय नवमी भी कहते हैं। मान्यता है कि आंवला भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है। इस तिथि पर भक्त आंवले के पेड़ के नीचे बैठकर पूजा करते हैं, जरूरतमंद लोगों को भोजन कराते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन आंवले की पूजा करने से पापों का नाश होता है और घर-परिवार में सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। इस दिन पानी में आंवले का रस मिलाकर स्नान करने की और आंवले के सेवन की भी परंपरा है।

1 नवंबर को देव उठनी एकादशी

देव उठनी एकादशी को प्रबोधिनी एकादशी भी कहा जाता है। ये व्रत कार्तिक शुक्ल एकादशी पर किया जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु चार महीने की योगनिद्रा से जागते हैं। भगवान विष्णु के विश्राम के दिनों में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन जैसे मांगलिक कार्यों के लिए मुहूर्त नहीं रहते हैं। अब देव उठनी एकादशी से सभी तरह के मांगलिक कार्यों के लिए मुहूर्त मिलना शुरू हो जाएंगे। इस तिथि पर भगवान विष्णु और तुलसी माता की पूजा की जाती है। तुलसी और शालीग्राम जी का विवाह भी कराया जाता है।

4 नवंबर को वैकुंठ चतुर्दशी

कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी को वैकुंठ चतुर्दशी कहते हैं। इस तिथि पर भगवान विष्णु और भगवान शिव की पूजा एकसाथ की जाती है। मान्यता है कि इस दिन व्रत, दीपदान और गंगा या किसी अन्य नदी में स्नान करने से अक्षय पुण्य मिलता है। मान्यता है कि वैकुंठ चतुर्दशी पर व्रत-पूजा करने से से पापों का नाश होता है।

5 नवंबर को देव दीपावली

कार्तिक मास की पूर्णिमा को देव दीपावली कहते हैं। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नाम के असुर का वध किया था, इसके बाद भगवान शिव के स्वागत में देवताओं ने दीप जलाकर उत्सव मनाया था। इस वजह से इसे देवों की दीपावली कहते हैं। इस दिन गंगा घाटों पर दीप जलाए जाते हैं। भक्तजन गंगा स्नान करते हैं, दीपदान करते हैं। भगवान शिव के साथ गंगा माता की पूजा करते हैं।

आंवला नवमी मुहूर्त

आंवला नवमी पर पूजा का शुभ मुहूर्त 3 घंटे 31 मिनट तक है। आंवला नवमी पूजा का शुभ समय सुबह 6 बजकर 32 मिनट से प्रारंभ होगा और यह सुबह 10 बजकर 03 मिनट तक रहेगा। इस शुभ मुहूर्त में आपको आंवला नवमी की पूजा कर लेनी चाहिए। आंवला नवमी के दिन का ब्रह्म मुहूर्त 04:49 ए एम से 05:41 ए एम तक है। उस दिन का शुभ समय या अभिजीत मुहूर्त 11 बजकर 42 मिनट से दोपहर 12 बजकर 27 मिनट तक है।

अक्षय नवमी ? 12 राशियों के लिए उपाय

कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 30 अक्टूबर को सुबह 10 बजकर 6 मिनट पर शुरू होकर 31 अक्टूबर को सुबह 10 बजकर 03 मिनट पर समाप्त होगी। इसके बाद कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि शुरू होगी। इस अनुसार उदयातिथि के अनुसार 31 अक्टूबर को आंवला नवमी मनाई जाएगी।

अगर आंवला नवमी के दिन राशि अनुसार कुछ उपाय कर लिए जाएं, तो सालभर लक्ष्मी-नारायण प्रसन्न रहते हैं।

मेष- नवमी के दिन इस राशि के जातकों को भगवान विष्णु और आंवले के पेड़ की पूजा करनी चाहिए। पूजा में आंवले के पेड़ पर 7 बार कच्चा सूत बांधें। ऐसा करने से तरक्की के रास्ते खुल जाएंगे।

वृषभ- आंवला नवमी के दिन किसी सार्वजनिक स्थान पर आंवले का पौधा लगाएं और उसकी रोज सेवा करें। ऐसा करने से धन-धान्य में वृद्धि होगी।

मिथुन- इस राशि के जातकों के लिए आंवला नवमी पर परिवार के साथ आंवला पेड़ के नीचे भोजन करना लाभदायक रहेगा। इससे परिवार में खुशहाली बनी रहेगी।

कर्क- नवमी पर आंवले के पेड़ की जड़ में कच्चा दूध चढ़ाएं और फिर पूजा करें। इससे विशेष लाभ होगा।

सिंह- नवमी के दिन सिंह राशि के जातक आंवला पेड़ की विधि-विधान से पूजा करने के बाद पेड़ की 7 बार परिक्रमा करें। इससे उनके रुके हुए कार्य पूरे हो जाएंगे।

कन्या- इस राशि के जातक आंवले के पेड़ की जड़ों में रोली, अक्षत और चंदन अर्पित करें। फिर पेड़ की 7 बार परिक्रमा करें। घर-परिवार में खुशियां बनी रहेंगी।

तुला- इस राशि के जातक आंवला पेड़ पर जल चढ़ाएं और फिर विष्णु जी के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से धन-धान्य में वृद्धि होगी।

वृश्चिक- इस राशि के जातक आंवला नवमी के दिन विष्णु जी के सामने घी का दीपक जलाएं और फिर पूजा करें। पूजा में उन्हें आंवले का भोग जरूर लगाएं।

धनु- इस राशि के जातक नवमी के दिन विष्णु जी के साथ मां लक्ष्मी की भी पूजा करें। इससे आर्थिक तंगी दूर होगी।

मकर- इस राशि के जातक आंवला नवमी पर ब्राह्मणों को दान दें। इससे उनके कार्यों में आ रही रुकावटें दूर होंगी।

कुंभ- इस राशि के जातक विष्णु जी की पूजा के बाद उन्हें आंवले का भोग लगाएं। साथ ही ब्राह्मणों को भी आंवला दान करें, लाभ होगा।

मीन- इस राशि के जातक आंवला नवमी के दिन विष्णु जी की पूजा करें और शाम को तुलसी के पौधे के नीचे घी का दीपक जलाएं।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण कार्य पूर्ण, ध्वजदंड और कलश स्थापित

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सोमवार को घोषणा की कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण से संबंधित सभी प्रमुख कार्य पूरे हो चुके हैं। ट्रस्ट ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाऊंट पर पोस्ट करते हुए कहा कि सभी श्रीरामभक्तों को यह जानकारी देते हुए हर्ष हो रहा है कि मंदिर निर्माण संबंधी सभी कार्य पूर्ण हो गए हैं। ट्रस्ट के अनुसार, मुख्य मंदिर के साथ ही परकोटा क्षेत्र के भगवान शिव, भगवान गणेश, भगवान हनुमान, सूर्यदेव, देवी भगवती, देवी अन्नपूर्णा और शेषावतार मंदिर भी पूर्ण हो चुके हैं। इन सभी पर ध्वजदंड और कलश स्थापित किए जा चुके हैं।

इसके अलावा, सप्त मंडप जिनमें महर्षि वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, निषादराज, शबरी और ऋषि पत्नी अहिल्या मंदिर शामिल हैं, का भी निर्माण पूरा हो चुका है। साथ ही संत तुलसीदास मंदिर तथा जटायु और गिलहरी की प्रतिमाएं भी स्थापित कर दी गई हैं। ट्रस्ट ने बताया कि दर्शनार्थियों की सुविधा और व्यवस्थाओं से जुड़े सभी कार्य पूरे कर लिए गए हैं।

ईश्वर कहां मिलते हैं ? जवाब छिपा है एक खाली डिब्बे में

एक संन्यासी किसी किराने की दुकान पर आए। दुकान तो सारे सामान से भरी पड़ी थी, पर सामान छोटे-बड़े डिब्बों में रखा हुआ था। सामान तो संन्यासी ने लेना ही था पर क्या लेना है यह संन्यासी के दिमाग में आ ही नहीं रहा था। संन्यासी ने अपने गुरु से सुन रखा था कि युक्ति से मुक्ति मिलती है। युक्ति यह अमल में लाई गई कि डिब्बों में क्या-क्या रखा है, यह पूछता हूं। बारी-बारी हर डिब्बे के बारे पूछता रहूंगा जो वस्तु मुझे चाहिए जब पंसारी वह वस्तु बताएगा तो मुझे याद आ जाएगा। जहां से डिब्बे शुरू होते थे, संन्यासी ने पूछना शुरू किया भैया इस डिब्बे में क्या है ?

दुकानदार बोला इसमें नमक है, संन्यासी ने पूछा नमक के साथ वाले डिब्बे में क्या है ? पंसारी बोला महात्मा जी इसमें हल्दी है।

इसी प्रकार संन्यासी पूछते गए और दुकान बड़े शिष्टाचार से बतलाता रहा। अंत में पीछे रखे डिब्बे का नम्बर आया। संन्यासी ने पूछा भाई इस अंतिम डिब्बे में क्या है ? दुकानदार बोला महात्मा जी उसमें राम-राम है।

संन्यासी ने बड़ी हैरानगी से पूछा, राम-राम ? भला यह राम-राम किस वस्तु का नाम है भाई ? मैंने तो इस नाम से कोई समान हो, कभी सुना ही नहीं।

दुकानदार संन्यासी के भोलेपन पर हंसकर बोला, महात्मन, और डिब्बों में तो भिन्न-भिन्न वस्तुएं हैं पर यह डिब्बा खाली है। हम खाली को खाली नहीं कह कर राम-राम कहते हैं।

संन्यासी की आंखें खुली की खुली रह गईं। जिस बात के लिए मैं दर-दर भटक रहा था, वो बात मुझे एक व्यापारी से समझ आ रही है। सत्य है भाई, भरे हुए में राम को स्थान कहां। काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार और ईर्ष्या-द्वेष एवं भली-बुरी, सुख-दुख की बातों से जब दिलो-दिमाग भरा रहेगा तो उसमें ईश्वर का वास कैसे होगा ? राम यानी ईश्वर तो खाली अर्थात साफ-सुथरे मन में ही निवास करते हैं। एक छोटी-सी दुकान वाले ने संन्यासी को बहुत बड़ी बात समझा दी थी। आज संन्यासी आनंद में था।

आस्था, अध्यात्म और पर्यटन का संगम है नासिक

नासिक का पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व:

नासिक केवल महाराष्ट्र का एक आधुनिक शहर नहीं, बल्कि रामायण काल की पवित्र भूमि भी है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम अपने 14 वर्ष के वनवास के दौरान नासिक के तपोवन में निवास करते थे। यहीं पर लक्ष्मण जी ने रावण की बहन शूर्पणखा की नाक काटी थी। इसी घटना से इस स्थान का नाम नासिक पड़ा, जिसका अर्थ है नाक से संबंधित स्थान।

नासिक वह भूमि है जहां आस्था, इतिहास, अध्यात्म और प्रकृति एक साथ प्रवाहित होते हैं। त्र्यंबकेश्वर की घंटियां, रामकुंड का पवित्र जल और सीता गुफा की शांति हर श्रद्धालु को भगवान श्रीराम के युग से जोड़ देती है।

इतिहासकार प्लोटेमी ने भी 150 ईसा पूर्व में नासिक का उल्लेख किया है। यह नगर सातवाहन राजवंश की राजधानी रह चुका है, जबकि मुगल शासन के दौरान इसका नाम गुलशानाबाद पड़ा। बाद में पेशवाओं और अंग्रेजों के अधीन यह एक प्रमुख व्यापारिक और धार्मिक केंद्र बन गया। आज नासिक को "India's Wine Capital" यानी भारत की अंगूर नगरी कहा जाता है।

प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल

त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग

भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक त्र्यंबकेश्वर नासिक में स्थित है। ऐसा कहा जाता है कि यहां दर्शन करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है और सभी पापों का नाश होता है।

रामकुंड

गोदावरी नदी तट पर स्थित रामकुंड वह स्थान है जहां श्रीराम और माता सीता ने स्नान किया था। यहां की जलधारा को मोक्षदायिनी माना जाता है और अस्थि विसर्जन के लिए यह स्थान अत्यंत पवित्र है।

सीता गुफा

यह वही पवित्र स्थल है जहां माता सीता ने स्वर्ण मृग देखा था और यहीं से रावण ने उनका हरण किया था। गुफा के अंदर एक प्राचीन शिवलिंग है जहां माता सीता शिव की पूजा किया करती थीं।

तपोवन

गोदावरी और कपिला नदी के संगम पर स्थित तपोवन में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और सीता जी तपस्या करते थे। यहां सीता की रसोई और स्नान स्थल आज भी श्रद्धा का केंद्र हैं।

कालाराम मंदिर

काले पत्थरों से निर्मित यह भव्य मंदिर स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण है। यहां भगवान राम, सीता और लक्ष्मण की मूर्तियां स्थापित हैं। इसका शिखर तांबे से निर्मित और सोने से मढ़ा हुआ है।

पांडवलेनी गुफाएं

त्रिवाष्मी हिल्स पर स्थित ये गुफाएं लगभग 2000 वर्ष पुरानी हैं और बौद्ध वास्तुकला की उत्कृष्ट झलक पेश करती हैं।

दूधसागर झरना

नासिक के सोमेश्वर क्षेत्र में स्थित दूधसागर झरना मानसून के समय पर्यटकों को आकर्षित करता है। सफेद झरने की धाराएं दूध की तरह झरती हैं।

भागुर

वीर सावरकर की जन्मभूमि भागुर, नासिक के गौरव का प्रतीक है। यहां स्थित भागुर देवी मंदिर धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से समान रूप से महत्वपूर्ण है।

यात्रा और मौसम

नासिक की यात्रा के लिए अक्टूबर से फरवरी और जुलाई से सितंबर का समय श्रेष्ठ माना जाता है। गर्मियों में तापमान बढ़ जाता है।

हवाई मार्ग: नासिक एयरपोर्ट

रेल मार्ग: मुंबई, पुणे, नागपुर सहित देश के प्रमुख शहरों से सीधा संपर्क

सड़क मार्ग: राज्य परिवहन (ST) बसें और निजी वाहनों से सुगम यात्रा

गुरु-चंद्र की वजह से अक्टूबर के अंतिम दिन मेष समेत 6 राशियों के लिए शुभ

अक्टूबर महीने के अंतिम दिन मेष, कर्क समेत 6 राशियों के लिए बेहद फायदेमंद रहने वाले हैं। दरअसल अक्टूबर महीने की 29, 30 और 31 तारीख को बृहस्पति और चंद्रमा के बीच समसप्तक दृष्टि रहेगी और इस दृष्टि से गजकेसरी योग का निर्माण हो रहा है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, कर्क राशि में उच्च के बृहस्पति और मकर राशि में स्थित चंद्रमा के बीच परस्पर दृष्टि के कारण इस योग को विशेष महत्व प्राप्त हुआ है।

गजेकसरी योग को बेहद शुभ योग माना जाता है और इस योग के प्रभाव से अशुभ प्रभाव भी खत्म हो जाता है। ज्योतिष के अनुसार, अक्टूबर के अंतिम दिनों में बन रहे इस योग के प्रभाव से इन राशियों की आय में वृद्धि देखने को मिलेगी और योग काल में लिए गए निर्णय, योजनाएं और प्रयास शीघ्र ही पूरे होने की संभावना बन रही है। आइए जानते हैं गजकेसरी योग के प्रभाव से इन 6 राशियों को क्या क्या लाभ मिलने वाले हैं।

मेष राशि के लिए विशेष फलदायी रहेगी। मेष राशि वालों का आय संबंधी कोई भी प्रयास सफल होगा और भाग्य का हर कदम पर साथ मिलेगा। अगर आप मकान व वाहन खरीदना चाहते हैं तो आपकी इच्छा भी पूरी होगी। नौकरीपेशा लोगों के अधिकारियों और सहकर्मियों के साथ संबंध मजबूत होंगे और आपके सभी टारगेट पूरे होंगे। आपकी स्वास्थ्य में काफी सुधार होगा। पारिवारिक जीवन सुखी और सुचारू रहेगा। साथ ही घर में कोई शुभ कार्य होने की संभावना है।

कर्क राशि वालों के लिए उच्च राशिस्थ बृहस्पति का सप्तम भाव में राशि स्वामी चंद्रमा पर दृष्टि डालना जीवन में अनेक शुभ घटनाएं लेकर आएगा। अक्टूबर के अंतिम दिनों में कर्क राशि वालों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने के मिलेंगे और मन की कई इच्छाएं भी पूरी होंगी। शत्रुओं, रोगों और कर्ज की समस्याओं पर विजय प्राप्त होगी और शुभ योग के प्रभाव से आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। आर्थिक, व्यक्तिगत और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं काफी हद तक हल हो जाएंगी। उच्च पदस्थ लोगों से लाभदायक संपर्क बनेंगे।

कन्या राशि वालों को हर सुख की प्राप्ति होगी और कई पुराने दोस्तों से मिलने का मौका मिलेगा। अगर आप मकान या फ्लैट खरीदना चाहते हैं तो शुभ योग के प्रभाव से अक्टूबर के अंतिम दिनों में खरीद सकते हैं। करियर के लिहाज से कन्या राशि वालों को कई लाभ होंगे, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि का योग बन रहे हैं और बेहतर नौकरी में बदलाव का योग है। इन तीन दिनों में जो भी निर्णय लिए जाएंगे, उनका कुछ ही दिनों में अच्छा परिणाम अवश्य मिलेगा। संपत्ति का लाभ होगा और संपत्ति का मूल्य उल्लेखनीय रूप से बढ़ेगा।

तुला राशि के दशम भाव में चंद्रमा और गुरु की परस्पर दृष्टि पूर्ण गजकेसरी योग बना रहा है। गजकेसरी योग के शुभ प्रभाव से अक्टूबर के अंतिम दिनों में तुला राशि वालों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और अचानक धन लाभ की भी संभावना बन रही है। उद्योग-धंधों में समृद्धि बढ़ेगी और बिजनेस के विस्तार के बारे में योजना बना सकते हैं। तुला राशि वालों की सेहत में सुधार देखने को मिलेगी और शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत नजर आएंगे। शुभ योग के प्रभाव से तुला राशि वालों के लाभदायक संपर्क बनेंगे और परिवार में खुशियां बनी रहेंगी। साथ ही जीवनसाथी की मदद से संपत्ति की खरीदारी कर सकते हैं।

वृश्चिक राशि के भाग्य भाव में गुरु के साथ चंद्रमा की परस्पर दृष्टि अप्रत्याशित राजयोग का निर्माण हो रहा है। वृश्चिक राशि वालों को अक्टूबर के अंतिम दिनों में सभी विवादों से मुक्ति मिलेगी और वाणी व व्यवहार में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। इस राशि के जो जातक काफी समय से नई नौकरी की तलाश कर रहे हैं, उनकी इच्छा पूरी होगी। वहीं जो लोग खुद का बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, वे अंतिम दिन में कर सकते हैं। वृश्चिक राशि वालों की शुभ योग के प्रभाव से कई दिशाओं से आय होगी और सिंगल जातकों की किसी खास व्यक्ति से मुलाकात भी हो सकती है। वृश्चिक राशि वालों को सभी तरह की बीमारियों से मुक्ति मिलेगी और राजनीतिक हस्तियों से संपर्क बढ़ेगा।

मकर राशि में चंद्रमा सप्तम भाव में उच्च राशिस्थ गुरु के साथ समसप्तक दृष्टी का निर्माण करते हुए पूर्ण गजकेसरी योग बना रहा है। गजकेसरी योग के प्रभाव से मकर राशि वालों की कई चिंताएं दूर होंगी और भाग्य का हर कदम पर साथ भी मिलेगी। मकर राशि वालों के अंदर समझदारी बढ़ेगी और कई महत्वपूर्ण निर्णय अंतिम दिन में ले सकते हैं, जिससे भविष्य में अच्छा लाभ हो सकता है। आपको काम-धंधे में भी बड़ी सफलता मिलेगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

शत्रुओं, रोगों और कर्ज की समस्याओं से आप काफी हद तक मुक्त रहेंगे। आय में कई तरह से वृद्धि होगी और मकान व वाहन के योग बनेंगे। अक्टूबर के अंतिम दिनों में आपको कई शुभ समाचार सुनने को मिलेंगे।

द गर्लफ्रेंड कोई साधारण प्रेम कहानी नहीं : रश्मिका मंदाना

बॉलीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की रोमांटिक ड्रामा फिल्म द गर्लफ्रेंड जल्द ही रिलीज होने वाली है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। रश्मिका ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह कोई साधारण प्रेम कहानी नहीं, यह आपको सोचने पर मजबूर कर देगी। फिल्म द गर्लफ्रेंड का ट्रेलर रिलीज। फिल्म में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ अभिनेता धीक्षित शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं। 2 मिनट 39 सेकंड के ट्रेलर में रश्मिका भूमा के किरदार में और धीक्षित विक्रम के किरदार में नजर आएंगे।
फिल्म 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं, फिल्म में अनु इमैनुएल का किरदार भी अहम है। फिल्म तेलुगु के साथ-साथ हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में भी रिलीज की जाएगी। ट्रेलर में दिखाया गया है कि विक्रम (धीक्षित) को एक टॉक्सिक, डॉमिनेटिंग, घमंडी, हिंसक और शक्की बॉयफ्रेंड के रूप में दिखाया गया है, जबकि भूमा एक साधारण और सहज लड़की है, जो एक टॉक्सिक रिश्ते के बोझ में दबी है। ट्रेलर की शुरुआत में रश्मिका (भूमा) झिझकते हुए विक्रम से कहती है कि क्या हम थोड़ा ब्रेक ले सकते हैं? जिस पर रिएक्ट करते हुए विक्रम कहता है, ब्रेक का मतलब एक से ब्रेक है। इसके बाद कहानी पीछे जाती है, जहां विक्रम भूमा को प्रपोज करता है, जिसमें वह कहता है, परसों शुभ मुहूर्त है, चलो शादी कर लेते हैं। विक्रम को भूमा पर पूरा भरोसा है, लेकिन भूमा झिझकते हुए उसे बॉयफ्रेंड कहती है। फिल्म का लेखन और निर्देशन राहुल रविंद्रन ने किया है। हेशाम अब्दुल वहाब ने म्यूजिक दिया है और सिनेमैटोग्राफी कृष्णन वसंत ने की है। द गर्लफ्रेंड एक इमोशनल कहानी का वादा करती है, जो प्रेम और रिश्तों की जटिलताओं को उजागर करेगी।

उर्वशी रौतेला के अलग-अलग तीन गानों रचा इतिहास

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने वह कर दिखाया है जो अब तक किसी भारतीय अभिनेत्री ने हासिल नहीं किया। यूट्यूब पर उनके तीन गाने अलग-अलग तौर पर एक-एक अरब व्यूज़ के क़रीब पहुंच रहे हैं, जो मिलकर लगभग तीन अरब व्यूज़ का अभूतपूर्व आंकड़ा बनाते हैं। इसके साथ ही, वह न सिर्फ़ पहली, बल्कि इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली सबसे युवा भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं। यह जीत केवल संख्याओं की नहीं है—यह उनके वैश्विक प्रभाव, जबरदस्त लोकप्रियता और बेहतरीन स्क्रीन प्रेज़ेंस का प्रमाण है। भारत से लेकर दुनिया के तमाम देशों तक, संगीत प्रेमियों ने उर्वशी के गानों को अपनाया है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय एंथम का दर्जा दिया है। हर गाना, जो अपने-अपने स्तर पर एक अरब व्यूज़ के करीब है, यह स्पष्ट करता है कि डिजिटल दुनिया में उनका प्रभाव कितनी तेज़ी से बढ़ रहा है। इस उपलब्धि की सबसे खास बात है उनकी सफलता की निरंतरता। ये कोई एक-दो बार वायरल होने वाले गाने नहीं हैं ये वो गाने हैं जिन्हें लोग बार-बार सुनते हैं, सेलिब्रेट करते हैं, नाचते हैं और पीढ़ियों व सीमाओं के पार शेयर करते हैं। ऐसे दौर में, जहाँ डिजिटल मौजूदगी ही प्रभाव को तय करती है, उर्वशी ने खुद को उस मुकाम पर पहुंचाया है जहाँ पहुंचना बहुतों के लिए नामुमकिन होता है। एक युवा प्रतिभा से अरबों दर्शकों द्वारा देखी जाने वाली ग्लोबल आर्टिस्ट बनने तक का उनका सफर केवल प्रेरणादायक ही नहीं ऐतिहासिक है। हर नए मुकाम के साथ वह धारणाएँ बदल रही हैं, महिला कलाकारों के लिए नए मानक गढ़ रही हैं और भारतीय टैलेंट को विश्व मंच पर नई ऊँचाइयों तक ले जा रही हैं।

कशिका कपूर की शालीनता ने मंत्रमुग्ध कर दिया सभी को

हाल ही में कशिका कपूर 'पिच टू गेट रिच' की स्क्रीनिंग पर पहुंचीं। जो एक साधारण पापाराज़ी मोमेंट के रूप में शुरू हुआ था, वह कुछ ही पलों में वायरल सेंसेशन बन गया फैन्स और मीडिया दोनों उनकी शालीनता और स्वाभाविक आकर्षण से मंत्रमुग्ध रह गए। अब वायरल हो चुके वीडियो में कशिका अपने सिग्नेचर स्टाइल में रेड कार्पेट पर चलती नज़र आती हैं आत्मविश्वास से भरी हुई, लेकिन बिना किसी दिखावे के। न कोई ओवर-ड्रामैटिक अंदाज़, न कोई बनावट बस एक शांत आभा, जो बिना कोशिश के ही सबका ध्यान खींच लेती है। इंटरनेट जहां उनके पेस्टल मिंट आउटफिट की तारीफ़ कर रहा था, वहीं यह साफ़ दिख रहा था कि बात सिर्फ़ कपड़ों की नहीं थी बल्कि उनकी मौजूदगी की थी। कशिका ने खुद को उस शख्सियत के रूप में पेश किया जो जानती हैं कि वो कौन हैं और कहां जा रही हैं। हर फ़्रेम में उनके सफ़र की झलक थी एक उभरती हुई अदाकारा से लेकर भारतीय सिनेमा की नई लहर को परिभाषित करने वाले चेहरों में से एक बनने तक। कशिका की ख़ासियत उनकी संतुलन भरी शालीनता है ग्लैमर के बीच भी ज़मीन से जुड़ी हुई। वायरल होने के बावजूद, वो खुद को सच्चाई से पेश करती हैं अपनापन और आकर्षण का सुंदर मेल। इस इवेंट में उनका आत्मविश्वास और गरिमा एक बार फिर साबित करते हैं कि कशिका कपूर सिर्फ़ दिखने के लिए नहीं हैं बल्कि याद किए जाने के लिए हैं। मालूम हो कि कभी-कभी कोई रेड कार्पेट लम्हा सिर्फ़ फैशन तक सीमित नहीं रहता वो बन जाता है एक अभिव्यक्ति, व्यक्तित्व और शांत शक्ति का प्रतीक।

बेबाकी और हिम्मत की मिसाल बनीं मल्लिका शेरावत

बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत ने परिवार के विरोध, समाज की बंदिशों और आलोचनाओं के बावजूद अपने सपनों की राह चुनी। हिंदी सिनेमा की दुनिया में नाम कमाना जितना आसान दिखता है, उतना ही कठिन होता है। इसके बावजूद मल्लिका ने हार नहीं मानी। मल्लिका कहती हैं कि अगर किसी चीज को

पाने की सच्ची चाह हो, तो दुनिया की कोई ताकत आपको रोक नहीं सकती। यही जिद उन्हें हरियाणा के छोटे से गांव से मुंबई तक ले आई और उन्होंने साबित कर दिया कि आत्मविश्वास और मेहनत से असंभव भी संभव हो सकता है। 24 अक्टूबर 1976 को जन्मी मल्लिका शेरावत का असली नाम रीमा लांबा है। परिवार ने उनके फिल्मों में आने के फैसले का कड़ा विरोध किया, लेकिन मल्लिका के मन में कुछ बड़ा करने की आग थी। उन्होंने घर छोड़ दिया और बिना किसी सहारे मुंबई पहुंच गईं। वह बताती हैं, 'जब मैं हरियाणा से मुंबई आई, मेरी जेब में दस रुपए थे या नहीं, किसी ने नहीं पूछा।
कोई लाल कालीन नहीं बिछा था। लेकिन मैंने ठान लिया था कि अपनी जिंदगी अपने नियमों से जीऊंगी।' मल्लिका ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की और अमिताभ बच्चन व शाहरुख खान जैसे दिग्गजों के साथ विज्ञापनों में काम किया। धीरे-धीरे उन्हें फिल्मों के ऑडिशन मिलने लगे और 2004 में आई फिल्म मर्डर ने उनकी किस्मत बदल दी। इस फिल्म ने मल्लिका को रातोंरात स्टार बना दिया और वह बॉलीवुड की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं। मल्लिका ने कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मर्डर इतनी बड़ी हिट होगी। मैं भट्ट साहब की फिल्में देखकर बड़ी हुई थी। इमरान हाशमी जेंटलमैन थे और बोल्ड सीन के बावजूद मैं हमेशा सुरक्षित महसूस करती थी।' फिल्म की सफलता के साथ मल्लिका को जहां शोहरत मिली, वहीं कई विवाद भी सामने आए।
उन्होंने कहा कि लोग उनके ऑन-स्क्रीन किरदार को उनकी असल जिंदगी से जोड़ने लगे। 'लोगों को लगता था कि अगर मैं स्क्रीन पर बोल्ड सीन कर सकती हूं तो निजी जीवन में भी वैसी ही हूं। लेकिन मैंने हमेशा कहा कि रील और रियल लाइफ अलग होती हैं,' मल्लिका ने कहा। मल्लिका ने अपनी जिंदगी में अनुशासन को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा, 'मैं शाकाहारी हूं, शराब-सिगरेट नहीं छूती, देर रात तक पार्टियों में नहीं जाती। मैं जल्दी सोती हूं, जल्दी उठती हूं और अपनी फिटनेस का पूरा ध्यान रखती हूं। मैंने कभी प्लास्टिक सर्जरी नहीं करवाई क्योंकि इसकी जरूरत ही नहीं पड़ी।' मल्लिका ने हॉलीवुड में जैकी चैन के साथ द मिथ में काम किया, कान्स फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की और कमला हैरिस व बराक ओबामा जैसे दिग्गजों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि भले ही परिवार ने कभी नहीं कहा कि उन्हें उन पर गर्व है, लेकिन दुनिया से मिला सम्मान उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है।'

बॉलीवुड में हक से वर्तिका सिंह करेंगी डेब्यू

आगामी फिल्म हक बहुत जल्द रिलीज होने वाली है। बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी और यामी गौतम की इस फिल्म से पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया-सुपरमॉडल वर्तिका सिंह बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही है। इस फिल्म में वर्तिका एक ऐसी महिला की भूमिका निभाएंगी जो भावनात्मक रूप से बहुत मजबूत है। सुपर्ण वर्मा इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। एक्ट्रेस 'द फैमिली मैन' और 'राणा नायडू' जैसी वेब सीरीज में अपने संजीदा अभिनय के लिए जानी जाती हैं। फिल्म में अपने रोल के लिए वर्तिका ने काफी ट्रेनिंग ली। उन्होंने कई भाषा के जानकारों से उनके किरदार के लिए बोलने का लहजा सीखा। कई वर्कशॉप भी लीं। वर्तिका सिंह लखनऊ की रहने वाली हैं।

इस फिल्म की शूटिंग लखनऊ में भी हुई है। मेकर्स का कहना है कि इस रोल के लिए वह बिलकुल परफेक्ट थीं। वर्तिका सिंह ने 2019 में मिस यूनिवर्स इंडिया का खिताब अपने नाम किया था। उन्होंने मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के 68वें संस्करण में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इससे पहले उन्हें 2015 में फेमिना मिस इंडिया ग्रैंड इंटरनेशनल का ताज पहनाया गया। जीक्यू मैगजीन ने उन्हें 2017 में भारत की सबसे खूबसूरत महिलाओं में शुमार किया था। फिल्म हक की कहानी साल 1985 के प्रसिद्ध शाह बानो बनाम अहमद खान केस से प्रेरित है, जो महिला अधिकारों और सामाजिक न्याय की दिशा में एक मील का पत्थर माना जाता है। फिल्म में यामी गौतम शाह बानो का किरदार निभा रही हैं, जबकि इमरान हाशमी उनके पति मोहम्मद अहमद खान की भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म हक को सुपर्ण एस वर्मा ने डायरेक्ट किया है। इसमें शीबा चड्ढा, दानिश हुसैन और असीम हट्टंगडी जैसे कलाकार भी हैं। यह फिल्म 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी मशहूर जर्नलिस्ट जिग्ना वोरा की बुक बानो- भारत की बेटी पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद जिग्ना वोरा ने कहा था कि फिल्म में सभी कलाकारों ने अपने-किरदार के साथ न्याय किया है।

फिल्म इंडस्ट्री के एक हिस्से में स्थायी सोच पनपी हुई है: अभिनव कश्यप

बालीवुड फिल्म निर्देशक अभिनव कश्यप ने सुपर स्टार सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर खान के संदर्भ में अपने अनुभव और नाखुशी जाहिर की। अभिनव ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री के एक हिस्से में एक स्थायी सोच पनपी हुई है जो नए नजरिये और क्रिएटिविटी को दबा देती है। उनके मुताबिक इंडस्ट्री में यह धारणा फैली है कि फिल्में हीरो के दम पर चलती हैं और फ्लॉप होने पर निर्देशक को ही जिम्मेदार ठहराया जाता है जिसे उन्होंने जिहादी मानसिकता तक कह डाला। अभिनव ने बताया कि शाहरुख के साथ उनकी करीबी बातचीत रही है और आमिर के साथ भी उन्होंने काम किया है, इसलिए उनके अनुभवों की बुनियाद पर वे इन टिप्पणियों को कर रहे हैं।
शाहरुख के बारे में वे कुछ बातें सार्वजनिक नहीं करना चाहते क्योंकि उनका मानना है कि इससे शाहरुख के परिवार पर असर पड़ सकता है अगर मैं उनके खिलाफ खुल जाऊं तो बहुत कुछ बिगड़ जाएगा, उन्होंने कहा। उन्होंने जोर देकर कहा कि शाहरुख को वे एक पारिवारिक व्यक्ति समझते हैं और उनके घर-परिवार को संकट में नहीं डालना चाहते। वहीं आमिर खान को लेकर अभिनव ने कड़ा रुख अपनाया और उन्हें सबसे चालाक लोमड़ी और मैनिपुलेटिव बताया। उन्होंने कहा कि आमिर ने उन्हें भी कई बार मैनिपुलेट किया और उनके काम करने के तरीके पर भी सवाल उठाए। अभिनव ने यह भी दावा किया कि आमिर कई बार कई टेक्स लेते हैं जबकि उनका पहला और आखिरी टेक समान रहता है और उन्होंने कुछ व्यक्तिगत किस्सों का भी जिक्र किया।
सलमान खान पर अभिनव ने पहले भी तीखी बातों की हैं और इस इंटरव्यू में उन्होंने फिर उनसे जुड़ी आलोचनात्मक टिप्पणियां दोहराईं। साथ ही उन्होंने सलीम खान और कुछ अटकलों को जोड़ते हुए विवादित शब्दों का प्रयोग किया, जिनमें उन्होंने लव जिहादी और थूक जिहादी जैसे उपमाओं का इस्तेमाल किया। ये टिप्पणियां सोशल और व्यक्तिगत व्यवहार पर उनकी व्यंग्यात्मक टिप्पणी के रूप में आईं। अभिनव के बयान बॉलीवुड के भीतर चल रहे गहन गुटबाजी और शक्ति-संबंधों की चर्चा को फिर से हवा देंगे। उनके आरोपों और टिप्पणियों ने इंडस्ट्री में सार्वजनिक बहस को नई त्वरितता दी है, जबकि जिन पर निशाना साधा गया है उन्होंने अभी तक आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

श्रद्धा दास आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पहुंची

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा दास सीरीज़, सर्च-द नैना मर्डर केस में उनके रोल ने उन्हें आधिकारिक आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पर पहुँचा दिया है। एक्ट्रेस पैन इंडिया स्टार अब शाहरुख खान, सलमान खान, जान्हवी कपूर, कियारा आडवाणी और कोंकणा सेन शर्मा जैसी हस्तियों से आगे निकल गई हैं। आईएमडीबी रैंक में इस नाटकीय उछाल के बारे में जानकर अभिनेत्री ने आश्चर्य व्यक्त किया। दास ने कहा, मुझे इस बारे में पता नहीं था जब तक कि मेरे एक दोस्त ने मुझे यह नहीं भेजा और 15 से 4 पर आने के कारण मैं बहुत अभिभूत और हैरान थी! सीरीज़ में रक्षा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने अपनी इस नई पहचान का श्रेय दर्शकों के प्यार को दिया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि सर्च-द नैना मर्डर केस सीरीज़ में मेरा रक्षा का किरदार मुझे दर्शकों से इतना प्यार दिलाएगा!

रोम में छुट्टियों का भरपूर आनंद लिया सैयामी खेर ने

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर ने इटली की राजधानी रोम में अपनी छुट्टियों का भरपूर आनंद लिया। सैयामी ने इस यात्रा को खास बनाने के लिए दो सबसे प्रिय चीजों को जोड़ा। पहला परिवार के साथ समय बिताना और दूसरा दौड़ना। एक्ट्रेस ने बताया कि जब भी वह किसी नए शहर में जाती हैं, तो वहां की सड़कों पर दौड़ना उनके लिए उस जगह को महसूस करने का एक अनोखा तरीका है। इस बार भी उन्होंने अपने माता-पिता और बहन के साथ रोम के ऐतिहासिक और खूबसूरत नजारों का आनंद लिया और साथ ही रोम हाफ मैराथन में हिस्सा लेकर अपनी यात्रा को यादगार बना दिया। सैयामी ने कहा, 卐मेरे लिए किसी शहर को जानने का सबसे अच्छा तरीका है पैदल चलना या दौड़ना। रोम में दौड़ना एक अद्भुत अनुभव था। दौड़ के दौरान मैंने स्पेनिश स्टेप्स, ट्रेवी फाउंटेन और कोलोसियम जैसी प्रतिष्ठित जगहों से होकर गुजरते हुए शहर की ऊर्जा को महसूस किया।
हर मोड़ पर इतिहास और संस्कृति की झलक मिल रही थी।卐 उन्होंने बताया कि दौड़ के दौरान मौसम बेहद सुहावना था और ताजी हवा ने पूरे अनुभव को और भी खास बना दिया। सैयामी ने आगे कहा, 卐कुछ पल ऐसे थे जब लगा ही नहीं कि मैं दौड़ रही हूं। मैं बस मुस्कुरा रही थी और रोम के माहौल में खो गई थी। 21 किलोमीटर की दौड़ पूरी करने के बाद मैंने पिज्जा और आइसक्रीम खाई और हर निवाले का पूरा आनंद लिया।卐 अभिनेत्री ने कहा कि उनके लिए दौड़ना सिर्फ एक फिटनेस एक्टिविटी नहीं, बल्कि आत्मिक संतुलन पाने का जरिया है। रोम की यात्रा के दौरान सैयामी ने परिवार के साथ शहर की ऐतिहासिक गलियों और प्रसिद्ध स्थलों की सैर भी की। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी छुट्टियों की झलकियां साझा कीं, जिन्हें उनके फैंस ने खूब पसंद किया। सैयामी का कहना है कि परिवार के साथ समय बिताना उन्हें मानसिक रूप से तरोताजा कर देता है और इससे उन्हें नए प्रोजेक्ट्स के लिए ऊर्जा मिलती है। सैयामी का कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए बेहद खास है और उन्होंने इसमें अपनी भूमिका को लेकर काफी मेहनत की है। रोम की सड़कों पर सैयामी खेर का यह दौड़ता हुआ सफर न सिर्फ फिटनेस के प्रति उनके जुनून को दिखाता है, बल्कि यह भी साबित करता है कि जीवन के हर पल को पूरे दिल से जीना ही असली सफलता है। मालूम हो कि सैयामी के प्रशंसक उनकी आने वाली फिल्म हैवान का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2016 की मलयालम सुपरहिट ओप्पम का हिंदी रीमेक है। फिल्म में सैयामी के साथ सैफ अली खान, अक्षय कुमार, बोमन ईरानी और श्रिया पिलगांवकर जैसे सितारे नजर आएंगे।

नोएडा विधायक पंकज सिंह ने परिवार सहित अर्घ्य अर्पित किया

नोएडा (चेतना मंच)। छठ उपासना के महापर्व के पावन अवसर पर प्रात:काल नोएडा विधायक पंकज सिंह ने दिल्ली स्थित अपने आवास पर अपने परिवार सहित श्रद्धा एवं आस्था के साथ सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया।

उन्होंने उदयाचल सूर्य और अस्ताचल सूर्य दोनों को नमन करते हुए सभी नागरिकों के कुशल-मंगल, जनकल्याण एवं लोककल्याण की कामना की।

पंकज सिंह ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, संयम और आत्मबल का पर्व है। यह पर्व हमें यह प्रेरणा देता है कि जीवन की हर परिस्थिति और संघर्ष में सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। सूर्य के अस्त होने के बाद पुन: उदय होना हमे सदा यह संदेश देता है कि यदि आज किसी का सूर्य अस्त हो रहा है, तो कल उसका पुन: उदय निश्चित है।

उन्होंने कहा कि छठ पर्व केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि यह सामाजिक एकता, पर्यावरण संरक्षण और जीवन में अनुशासन का भी संदेश देता है। यह महापर्व जनमानस को जोड़ने वाला, उत्साह और श्रद्धा से ओतप्रोत पर्व है, जिसके अगले वर्ष आगमन की हम सभी श्रद्धालु जनों को बेसब्री से प्रतीक्षित रहेगी।

प्रवासी महासंघ के छठ महोत्सव को सांसद व पूर्व राज्यपाल ने सराहा

नोएडा (चेतना मंच)। नोयडा स्टेडियम में छठ पूजनोत्सव का महापर्व प्रवासी महासंघ द्वारा धूमधाम से मनाया गया। प्रवासी महासंघ के अध्यक्ष आलोक वत्स ने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रवासी महासंघ ने बहुत धूमधाम से छठ महापर्व का आयोजन किया, जिसमें एनसीआर में रहने वाले सभी श्रद्धालु जो छठ मैया में आस्था रखते हैं शिरकत की एव डूबते सूर्य को अर्घ देने के पश्चात आज सुबह 4 बजे से ही उगते सूर्य को अर्घ देने के लिए नोयडा स्टेडियम पहुंच गए और, यहां श्रद्धालुओं के लिए विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी एक अस्थायी कुंड बनाया गया था जिसे जल के साथ गंगाजल से भी भरा गया था जिसमें व्रती अस्ताचल गामी एवं उगते हुए सूर्य को अर्घ देकर इस महाव्रत को सम्पन्न किया।

प्रवासी महासंघ के महासचिव अवधेश राय ने बताया कि कार्यक्रम में व्रतियों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा गया एवं छठ घाट में श्रद्धालुओं के लिए चारों तरफ सीढ़ीनुमा घाट बनाया गया था जिससे किसी भी श्रद्धालु को अर्घ देने में परेशानी नहीं हुई।

महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं पूजा संयोजक विकास तिवारी ने बताया कि छठ घाट का आकार 60म120 फीट का बनाया गया था और इस में किसी प्रकार की अव्यस्था न हो इसके लिए हमारे लगभग 100 से अधिक वॉलेंटियर पूरे मेला परिसर में रहे जिन्होंने व्यवस्था को बखूबी संभाला एवं सुरक्षा के लिहाज से ड्रोन कैमरे द्वारा मेला परिसर की निगरानी की गई इसके साथ ही छठ घाट में गंगा जल के साथ ताजे गुलाब के फूल डलवाये गए जिसे श्रद्धा एवं आस्था का विश्वास भक्तों में और बढ़ गया।

कार्यकम में इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष आलोक वत्स , कार्यकारी अध्यक्ष टी एन चौरसिया महासचिव अवधेश राय, कोषाध्यक्ष श्रीमती छाया राय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जीतेन्द्र सिंह तथा विकास तिवारी, अखिलेश सिंह, विजय कुमार सिंह , ममता पांडेय, इंदु यादव, सनम यादव, रेखा सिंह, अभिनव पांडेय, अनुज त्रिपाठी, मिथलेश राय, कमलेश तिवारी, आकाश तिवारी, मृत्युंजय त्रिपाठी, राजेश तिवारी, विकास शर्मा, अमन मिश्र, सतरंजन कुमार, एवं अन्य माननीय सदस्य उपस्थित रहे।

नोएडा के सेक्टर-32 सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन भूटानी मॉल की तरफ सीवर लाइन ओवरफ्लो हो रही है। पिछले 4 दिनों से सीवर लाइन का पानी सड़कों पर फैल रहा है। दीवारों से झड़ रहे प्लास्टर और रंग रोगन। मेट्रो स्टेशन की देखरेख में हो रही है लापरवाही।

4 नवम्बर से बीएलओ घर-घर करेंगे एसआईआर का कार्य : मेधा रूपम

नोएडा (चेतना मंच)। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशों के क्रम में जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्यक्रम घोषित किया गया है। इस विशेष अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी अर्ह नागरिक निर्वाचक नामावली में पंजीकृत हो जाएं तथा नाम, पता, आयु एवं अन्य प्रविष्टियों में यदि कोई त्रुटि हो तो उसका समय से संशोधन किया जा सके। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी अनर्ह मतदाता का नाम निर्वाचक नामावली में विद्यमान न रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 28 अक्टूबर से 3 नवम्बर 2025 तक तैयारी, प्रशिक्षण एवं प्रिंटिंग का कार्य किया जाएगा। इसके उपरांत 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर 2025 तक बीएलओ द्वारा घर-घर भ्रमण कर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जाएंगे तथा उन्हें भरने में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। संबंधित नागरिक गणना प्रपत्रों को भरकर अपने बीएलओ को उपलब्ध कराएंगे। 5 से 8 दिसम्बर 2025 तक नियंत्रण तालिका के अद्यतन एवं प्रारूप निर्वाचक नामावली की तैयारी का कार्य संपन्न होगा, जबकि 9 दिसम्बर 2025 को प्रारूप निर्वाचक नामावली का प्रकाशन किया जाएगा। दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की अवधि 9 दिसम्बर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक निर्धारित की गई है, जिसके उपरांत दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण 31 जनवरी 2026 तक संबंधित निर्वाचन अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 3 फरवरी 2026 को निर्वाचन नामावलियों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं अंतिम प्रकाशन के लिए आयोग से अनुमति प्राप्त कर 7 फरवरी 2026 को अंतिम निर्वाचक नामावली प्रकाशित की जाएगी।

थाना 58 पुलिस ने चरस तस्कर को 3 किलो चरस के साथ गिरफ्तार किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चरस की कीमत 1.5 डेढ़ करोड़ रूपये बताई जा रही है। तस्कर का दूसरा साथी फरार है।

युवा कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय युवा कांग्रेस की संगठनात्मक एवं समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय सचिव विशाल चौधरी, एआईसीसी सदस्य एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिनेश अवाना, युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव एवं पूर्व शहर अध्यक्ष कांग्रेस शाहबुद्दीन, शहर युवा कांग्रेस अध्यक्ष नीरज अवाना तथा युवा कांग्रेस के अन्य साथियों की उपस्थिति रही।

बैठक में संगठन की वर्तमान स्थिति, आगामी कार्यक्रमों एवं संगठनात्मक मज़बूती पर विस्तृत चर्चा की गई। सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मज़बूत करने का संकल्प लिया। जिसमें मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामकुमार शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्य रूप से सैयद मजर हुसैन, तरुण प्रधान, देव कुमार, कौशल्या, चांद, कल्पना सिंह,

पंडित श्याम सुंदर दीक्षित, मुन्ना, जीशान चौधरी, साहिल, प्रमोद, भोपाल सिंह, अशरफ़, तरुण यादव, अननू चौहान, कुलदीप पहाड़िया व अन्य युवा साथी मौजूद रहे।

बार एसोसिएशन के वकीलों ने राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता ग्रहण की

नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के निर्देशानुसार सदस्यता अभियान को गति प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय लोकदल की नीतियों का प्रचार करते हुए चौधरी चरण सिंह, चौधरी अजित सिंह किसानों के मसीहा का किसान बिरादरी, देश के प्रति दिए योगदान को सराहते हुए जयंत चौधरी की कार्यशैली युवाओं के प्रति उनकी सोच बड़ी ही निष्ठा भाव से राष्ट्रीय लोकदल पार्टी को आगे बढ़ाने के भाव से एडवोकेट जीत चौधरी, चेतराम नागर एडवोकेट, जितेंद्र मावी एडवोकेट, संदीप जोगी एडवोकेट, प्रवीन विकल एडवोकेट, सैंकी भाटी एडवोकेट, आकाश चौधरी एडवोकेट, नीरज वर्मा एडवोकेट, धर्मेन्द्र भाटी, साकिर आदि लोगों ने पार्टी में विश्वास जताते हुए सदस्यता ग्रहण की।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com